



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 25, 1976 (पौष 4, 1898)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 25, 1976 (PAUSA 4, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12019/6/74-प्रशा०-II--संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2 मार्च, 1976 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के क० सं० स्टे० सेवा संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी और के० सं० स्टे० से० संवर्ग के प्रतिनियुक्ति पर आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री बूटा सिंह जैन को 1-9-1976 से अगले 6 मास की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के विशेष सहायक के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बूटा सिंह जैन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय का० शा०

1-386 जी आई/76

सं० एफ० 10 (24)-व्यय III/60 दिनांक 4 मई, 1961 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

दिनांक 19 नवम्बर 1976

सं० पी०/1877-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 अक्टूबर, 1976 के अधिक्रमण में कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, कालीकट में लेक्चरर डा० आर० भास्करन को, 13 अक्टूबर, 1976 के पूर्वान्त से दो मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

(10381)

दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० पी०/1884-प्रशा०-I—भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी श्री पी० एस० महादेवन को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक आयोग के सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया गया है।

प्र० न० मुखर्जी
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 नवम्बर 1976

सं० ए० 32014/1/76 प्रशा०-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-9-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एम० संगमेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-11-76 से 31-12-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/2/76-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री एम० पी० जैन को राष्ट्रपति द्वारा 15 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से उसी संवर्ग के के० स० स्टे० सेवा के चयन ग्रेड में प्रत्यावर्तित किया जाता है।

दिनांक 25 नवम्बर 1976

सं० पी०/608-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में (केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के ग्रेड क) स्थायी निजी सचिव श्री ज० एस० राजागोपालन को, राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० शा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 1 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से वार्धक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति सहर्ष प्रदान की गई है।

दिनांक 29 नवम्बर 1976

सं० ए० 32014/2/76-प्रशा०-III—केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियमावली, 1962 के नियम 10 के उपबन्ध के अधीन संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड क) के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी श्री ए० गोपालकृष्णन् को, राष्ट्रपति द्वारा 15-11-76 (पूर्वाह्न) से 28-2-1977 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 दिसम्बर 1976

शुद्धि-पत्र

सं० एफ 4/2/76-ई 1 (बी) भारत के राजपत्र दिनांक 11 सितम्बर 1976 को प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग की भू-वैज्ञानिक परीक्षा, 1977 के नोटिस के पृष्ठ 8025 पर नोट की नवीं और दसवीं पंक्ति—

“परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी” के स्थान पर “परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी।” पढ़ी जाए।

एम० एस० प्रूथी
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमण्डल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० ए० 20014/112/76-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री कान्ति प्रकाश को दिनांक 8-11-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की जयपुर शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
कृते पुलिस उप-निरीक्षक
विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० ए० 19036/16/76-प्र०-5—निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० पटनायक को दिनांक 17-11-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० पी०-VII-1/76-स्थापना--राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमांडेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमांडेंट के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पदस्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्र० सं०	नाम	पद तथा युनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा युनिट जिसका कार्यभार संभाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री पी० एस० कादियां	सहायक कमांडेंट ग्रुप सेंटर मोका-माघाट।	4-9-76 (अपराह्न)	कमांडेंट 29 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	6-9-76 (पूर्वाह्न)।
2.	श्री ललित मोहन	सहायक कमांडेंट सिगनल ग्रुप सेंटर नीमच।	2-9-76 (अपराह्न)	कमांडेंट 57 बटालियन सी० आर० पी० एफ०।	6-9-76 (पूर्वाह्न)।
3.	श्री सुखजिन्दर सिंह	सहायक कमांडेंट 36 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	14-9-76 (अपराह्न)	कमांडेंट 30 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	20-9-76 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम० एम० प्रसाद	सहायक कमांडेंट 11 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	27-9-76 (पूर्वाह्न)	कमांडेंट 46 बटालियन सी० आर० पी० एफ०	30-9-76 (पूर्वाह्न)

दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० ओ-II-1036/75-स्था०--डा० (श्रीमती) एस० अरुणा देवी, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, द्वितीय बेस अस्पताल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, हैदराबाद, का त्याग पत्र मंजूर किए जाने के कारण, उन्होंने अपने पद का कार्यभार 11 नवम्बर 1976 के अपराह्न से छोड़ दिया।

निदेशक (प्रोग्राम) के पदों पर तदर्थ नियुक्ति को 1 सितम्बर, 1976 से 28 फरवरी, 1977 तक, छः माह की और अवधि के लिए या जब तक ये पद नियमित आधार पर भरे जाएंगे, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

सर्वश्री एन० सी० शर्मा और आर० एन० तलवार के मुख्यालय दिल्ली में होंगे।

दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० ओ-II-99/69-स्था०--ले० क० पी० एस० जीहल के पुनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमांडेंट 1 सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार दिनांक 30 सितम्बर, 1976 अपराह्न को त्याग दिया।

ए० के० बन्द्योपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशा०)

बन्नी नाथ
उप महापंजीकार और
पदेन उप सचिव

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० 6/1/74-मं० पं० (प्रशा०-1)--राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 6/1/74-मं० पं० (प्रशा०-1) दिनांक 23 अप्रैल, 1976 के अनुक्रम में सर्वश्री एन० सी० शर्मा और आर० एन० तलवार की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक

सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी
हैदराबाद-500252, दिनांक 25 नवम्बर 1976

सं० 41/11/75-स्थापना--आंध्र प्रदेश सरकार के पुलिस विभाग से प्रतिनियुक्त श्री एम० अरुणाचल राव, उप आरक्षक, नरसापुर, ने सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद, में दिनांक 17-11-1976 के पूर्वाह्न से 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में (मय रु० 100) प्रतिमास विशेष वेतन के अपराध अनुदेशक का कार्यभार संभाला।

पी० जी० मालवीय
उप निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(अर्थ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० 1217/ए०—दि० 7-7-76 के क्रम में श्री डी० पी० जांबोटकर को क्रय अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

एन० राममूर्ति
ज्येष्ठ उप महाप्रबन्धक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

सं० 5569-रा०स्था० I/III-76

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

1. सं० 4943-रा०स्था० 1/बी०-21/पी० एफ० दिनांक 7-10-76—श्री पी० एन० भल्ला, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा को 4 मई 1976 (अपराह्न) से सार्वजनिक हित में उनके हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड में स्थायी रूप से समावेशन के फलस्वरूप केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार उसी तारीख से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त माना जाएगा।

2. सं० 4995-रा०स्था० 1/पी०-31/पी० एफ० दिनांक 12-10-76—भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्थायीकरण के फलस्वरूप मूल नियम 14-क(घ) के अनुसार, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा में श्री सूरज प्रकाश के स्थायी पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार को 7 जुलाई, 1975 से समाप्त किया गया है।

3. सं० 5049-रा०स्था० 1/एस० 34/पी० II/ दिनांक 13-10-76—श्री आर० सी० सूरी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा ने 14-8-76 तथा 15-8-76 क्रमशः द्वितीय शनिवार और रविवार को छुट्टी में जोड़ने की अनुमति सहित 16-8-76 से 31-8-76 तक की छुट्टी से लौटने पर 13 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार (I) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

उन्होंने श्री वेद प्रकाश भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

4. सं० 5050-रा०स्था०-1/एम० 29/पी० एफ० II दिनांक 13-10-76—श्री सी० पी० मित्तल, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 14 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार (1) उत्तर प्रदेश इलाहाबाद के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (लेखापरीक्षा राज्य तथा केन्द्रीय कर) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

श्री सी० पी० मित्तल को उसी तारीख से अगले आदेश तक महालेखाकार ग्रेड के स्तर II में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

5. सं० 5051-रा०स्था०-1/के० 62/पी० एफ० दिनांक 13-10-76—श्री बी० एन० केला, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा ने 17-9-76 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर के कार्यालय में उप-महालेखाकार (निरीक्षण) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

श्री बी० एन० केला को उसी तारीख से अगले आदेश तक वरिष्ठ वेतनमान (1100-1600 रु०) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

6. सं० 5181-रा०स्था०-1/आर० 33/पी० एफ०-II दिनांक 27-10-76—श्री आर० राजागोपालन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 8 अक्टूबर, 1976 से मुख्य लेखापरीक्षक, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे मालीगांव के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

श्री आर० राजागोपालन को उसी तारीख से अगले आदेश तक महालेखाकार ग्रेड (स्तर II) में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

7. सं० 5182-रा०स्था० 1/पी०-34 दिनांक 27-10-76—श्री शैलेन्द्र पाण्डे, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा ने 5-10-76 को महालेखाकार (I) बिहार, रांची के कार्यालय में उप-महालेखाकार के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

श्री शैलेन्द्र पाण्डे को उसी तारीख से अगले आदेश तक वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया है।

8. सं० 5185-रा०स्था०-1/एस०-182/पी० एफ० दिनांक 20-10-76—भारतीय प्रशासनिक सेवा आदि परीक्षा 1975 के परीक्षाफल के आधार पर भा० ले० तथा ले० प० सेवा के परीक्षाधीन श्री स्वर्णजीत सिंह को भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्ति हेतु चुन लिया गया है। और उन्हें 31 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा से मुक्त कर दिया गया है।

9. सं० 5295-रा०स्था०-1/बी०-52/पी० एफ०-II दिनांक 27-10-76—कुमारी के० बी० बाला देवी को राज्य सरकार, आन्ध्र प्रदेश में उसके समावेशन हेतु 7-7-1976 से भा० ले० तथा ले० प० सेवा से पदत्याग करने की अनुमति दे दी गई है।

10. सं० 5315-रा०स्था०-1/89-72 दिनांक 1-11-76—भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दी गई तारीख से भा० ले० तथा ले० प० सेवा के कनिष्ठ वेतन मान में स्थायी रूप से नियुक्त किया गया है :—

1. श्री सी० वीरावधानी—21-7-74
2. श्री जेम्स जोसेफ—16-7-74 (अपराह्न)
3. श्रीमती महुआ चटर्जी—4-12-74

4. श्री एस० पी० सिंह—16-7-74 (अपराह्न)

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

5. श्री एन० राजशेखर रयासु—21-7-74

सं० 1115-सी० ए० 1/19-75—महालेखाकार II,

6. श्री विजय रामचन्द्रन—16-7-74

तमिलनाडु के कार्यालय में कार्यरत श्री आर० नटराजन, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अगस्त 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

7. श्री के० पी० एल० राव—20-7-74 (अपराह्न)

8. श्रीमती सुषमा रानी शर्मा—23-11-74

9. श्री बी० के० चट्टोपाध्याय—16-7-74

10. श्री रघुवीर सिंह—1-12-74

एस० डी० भट्टाचार्य

उप निदेशक (वाणिज्यिक)

11. श्री के० वी० प्रह्लादन—17-5-75

12. श्री वी० एस० गिल—1-12-74

13. श्री एस० के० एफ० कुजुर—1-12-74

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

11. सं० 5522-रा० स्था०-1/V-9/पी० एफ०-III
दिनांक 12-11-76—अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर
श्री डी० एच० वीरैया, भा० ले० तथा ले० प० सेवा 31-10-76
(अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

एम० एम० बी० अन्नादी
सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (का०)

सं० प्रशा०-I/5-5/पवो०/76-77/कार्या० आदे० 978/
2381—श्रीमान्, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय
के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री डी० आर० मल्होत्रा-II को
20/11/76 (पूर्वाह्न) से समय धेतनमान रु० 840-1200 में
लेखा अधिकारी के रूप में, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर
कार्य करने हेतु नियुक्त करते हैं।

सं० प्रशासन I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्य० आदेश 928/2219—निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारी (और अस्थायी सहायक महालेखाकार) अधिवर्षिकी (सुपरनुएशन) की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप उनके सामने अंकित की गई तिथियों से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए :—

नाम	पदनाम	सेवा-निवृत्ति की तिथि	जन्म-तिथि
1. श्री अमर सिंह गुप्ता	स्थायी लेखा अधिकारी (अस्थायी सहायक महालेखाकार)।	31-8-76 (अपराह्न)	1-9-1918
2. श्री डी० एस० विष्ट	—अही—	31-10-76 (अपराह्न)	1-11-1918
एम० एल० सोमती वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)			

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डेनेंस फैक्टरियां

महानिदेशालय, आर्डेनेंस फैक्टरियां सिविल सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 27 नवम्बर 1976

सं० 87/76/जी—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित सहायक स्टाफ अफसरों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से पेंशन स्थापना में स्थानांतरित किया गया :—

क्रम संख्या	नाम	ग्रेड	किस तारीख से पेंशन कैफियत स्थापना में स्थानांतरित किया गया।
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री पतित पावन नाना	स्थायी ए० एस० ओ०	13-12-74 (अपराह्न)
2.	श्री मनोरंजन भट्टाचार्य	स्थायी ए० एस० ओ०	1-2-70

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
3.	श्री समरेंद्र नाथ मित्र	स्थायी ए० एस० ओ०	27-7-72	
4.	श्री एस० शिवाशंकरन्	स्थायी ए० एस० ओ०	31-1-76 (अपराह्न)	
5.	श्री अन्नदा मोहन घोष	स्थायी ए० एस० ओ०	1-3-76	
6.	श्री मनीन्द्र नाथ मोहता	स्थायी ए० एस० ओ०	10-5-70	
7.	श्री सिलानन्द ब्रह्मचारी	स्थायी ए० एस० ओ०	31-12-74 (अपराह्न)	
8.	श्री के० ए० वी० लिंगम्	स्थायी ए० एस० ओ०	15-5-73	
9.	श्री पुलिन बिहारी घोष	स्थायी ए० एस० ओ०	5-10-72	
10.	श्री अमृत्य कुमार घोष चौधुरी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-10-71	
11.	श्री राग्येश्वर मित्र	स्थायी ए० एस० ओ०	31-12-74 (अपराह्न)	
12.	श्री प्रवास कुमार मुखर्जी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-7-74	
13.	श्री सुरेश चन्द्र बनर्जी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-9-70	
14.	श्री सुबोध चन्द्र चौधुरी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-1-74	
15.	श्री सुनील कुमार दत्त	स्थायी ए० एस० ओ०	30-11-74 (अपराह्न)	
16.	श्री भ बानी प्रसाद दत्त	स्थायी ए० एस० ओ०	1-2-73	
17.	श्री सुबोध कुमार मिश्र	स्थायी ए० एस० ओ०	1-11-73	
18.	श्रीमति अत्रेयी मजुमदार	स्थायी ए० एस० ओ०	27-12-72	
19.	श्री जीवन कृष्ण बनर्जी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-2-74	
20.	श्री विभूति लाल बनर्जी	स्थायी सहायक स्थानापन्न ए० एस० ओ०	1-8-69	
21.	श्री नरेंद्र मोहन गांगुली	स्थायी ए० एस० ओ०	1-1-74	
22.	श्री शीतल चन्द्र मजुमदार	स्थायी ए० एस० ओ०	1-8-73	
23.	श्री अनिलेश्वर मुखर्जी	स्थायी ए० एस० ओ०	1-1-74	
24.	श्री हेमतोष कुमार नाथ	स्थायी ए० एस० ओ०	31-7-75 (अपराह्न)	
25.	श्री वैद्यनाथन् बेकिटेश्वरन्	स्थायी ए० एस० ओ०	30-11-74	
26.	श्री साधन बिहारी सरकार	स्थायी ए० एस० ओ०	13-8-74 (दिवंगत)	
27.	श्री गणेश लाल गांगुली	स्थायी सहायक स्थानापन्न ए० एस० ओ०	1-8-73	
28.	श्री प्रकाश चन्द्र दत्ता	स्थायी ए० एस० ओ०	23-11-68	
29.	श्री सुधीर चन्द्र बोस	स्थायी सहायक अस्थायी ए० एस० ओ०	1-8-68	
30.	श्री परिमल चन्द्र बोस (ओ० ई० एफ०)	स्थायी सहायक/स्थानापन्न ए० एस० ओ०	1-9-75	
31.	श्री अधीर कुमार घोष	अस्थायी सहायक/स्थानापन्न ए० एस० ओ०	14-10-75 (दिवंगत)	
32.	श्री अजित कुमार देव	स्थायी सहायक/अस्थायी ए० एस० ओ०	31-10-75 (अपराह्न)	
33.	श्री मनोरंजन राय	स्थायी सहायक/स्थानापन्न ए० एस० ओ०	31-8-74 (अपराह्न)	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
34.	श्री जोगेश चन्द्र राय	स्थायी सहायक/ स्थानापन्न ए० एस० ओ०	30-9-75 (अपराह्न)	
35.	श्री मोहिनी मोहन कर	स्थायी सहायक/ स्थानापन्न ए० एस० ओ०	1-12-70	
36.	श्री राधा रमन चटर्जी	स्थायी सहायक/ स्थानापन्न ए० एस० ओ०	1-10-70	
37.	श्री जी० पी० मजुमदार	स्थायी ए० एस० ओ०	1-12-75	
38.	श्री रबींद्र नाथ हाजरा	स्थायी सहायक/ स्थानापन्न ए० एस० ओ०	31-3-76 (अपराह्न)	
39.	श्री पी० सी० नाथ	स्थायी ए० एस० ओ०	30-6-76 (अपराह्न)	

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी०/एडमिन II
कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 नवम्बर, 1976

सं० 84/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्न-लिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री एम० आर० महादेवन्, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (स्थायी स्टाफ सहायक)—31 जुलाई, 1976 (अपराह्न)
2. श्री ई० एन० पी० नायर, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (स्थायी स्टाफ सहायक)—31 अगस्त, 1976 (अपराह्न)
3. श्री एन० एस० डी० शेताय, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (स्थायी स्टाफ सहायक)—31 अगस्त, 1976 (अपराह्न)।

दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० 88/जी०/76—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० एस० शर्मा, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर) दिनांक 31 अक्तूबर, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 89/76/जी०—राष्ट्रपति ने भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा से श्री ए० एन० राय, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक का त्याग पत्र दिनांक 12 जुलाई 1976 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत किया।

सं० 90/76/जी०—श्री एस० के० नाथ, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोर होल्डर), पी० एस० आर० की धारा 459(एच) की शर्तों के अन्तर्गत दी गई नोटिस के अनुसार दिनांक 24 जुलाई 1976 (पूर्वाह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 92/76/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री बी० एब० बी० शी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक

एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 31 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 93/76/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री पी० जे० करदले, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अगस्त, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/713/63-प्रशासन(राज०)—राष्ट्रपति, श्री एन० ए० कोहली को जो इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी हैं और नियंत्रक, आयात-निर्यात हैं उनको उसी सेवा के वर्ग 1 में और आगे की अवधि 1-10-76 से 31-12-76 तक या जब तक स्थान खाली है उनमें से जो भी पहले हो के लिए स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री एन० ए० कोहली को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उपर्युक्त अवधि के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1976

[अधिसूचना सं० 13-डी सी एच /76 दिनांक 19-10-76 को देखें]

सं० 23-डी०सी० एच०/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 के स्थायी अधिकारी श्री दीलत राम को 1 नवम्बर, 1976 से 31 जनवरी, 1977 तक अथवा उस समय तक के लिए जब तक रिक्त स्थान उपलब्ध रहता है, जो भी पहले हो, उसी सेवा के प्रवरण ग्रेड में स्थानापन्न रूप में काम करते रहने की अनुमति देते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री दीलत राम को उपरोक्त अवधि के लिये हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय में निदेशक के पद पर जिसे अब संयुक्त विकास आयुक्त पदनाम दिया गया है, कार्य करते रहने की भी अनुमति देते हैं।

(कु०) आर० साहनी
उप विकास आयुक्त (हथ करघा)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, अर्थात्:—

वर्ग 2 नाइट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

1. प्रविष्टि "परमाफलो- 3" के बाव में "परमाफलो-5 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 दिसम्बर 1977 तक" को जोड़ दिया जाये।

वर्ग 6 के अन्तर्गत-प्रभाग 2 के अन्तर्गत

2. प्रविष्टि "फाज ईगनाईटरस" के बाव में "जिओकार्ड" को जोड़ दिया जाये।

इंगव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० प्र०-1/1(1073)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति निदेशक (वस्त्र) के कार्यालय में अधीक्षक श्री डी० आर० माने को दिनांक 7 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री डी० आर० माने को सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा उच्च न्यायालय दिल्ली में

श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० प्र०-6/247(339)/61-—राष्ट्रपति, श्री एस० के० बासु, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) को दिनांक 27 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बासु ने दिनांक 4-9-76 को सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार छोड़ दिया और दिनांक 27-10-76 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक, (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 नवम्बर 1976

सं० 50/66(एम०एम० एच०)/19बी—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री मुहम्मद मुर्ताज हुस्सन ने शिफ्ट बीस के पदका कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थानापन्न क्षमता में, 16 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० 94/59(एस० के०)/19ए—राष्ट्रपति सहर्ष श्री एस० कयाल को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर वेतन नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28-10-1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 40/59/सी०/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री के० रंगाचारी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-4 0-1 2 0 0 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, 11-10-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० के० एस० वरदम
महा निदेशक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

भारतीय संग्रहालय

देहरादून, दिनांक 30 नवम्बर 1976

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 अक्तूबर 1976

सं० एफ० 4-131/76 प्रशासन—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक एतद्वारा श्री परिसन हुग्ग को इस सर्वेक्षण के शिलांग स्थित उत्तर पूर्व क्षेत्र में सहायक मानव विज्ञ के पद पर 28 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एन० आर० ऐच
प्रशासनिक अधिकारी

सं० स्था 1-5164/724-एस० ओ० एस०—श्री जे० आर० घोवर को सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपत्रित) में 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में एक अस्थायी पद के प्रति 1 नवम्बर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक सहायक भंडार अधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक

देहरादून, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० गो० 5167/718-ए—निम्नलिखित अधिकारी जिन्हें भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (ग्रुप 'बी') के पदों पर उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से तबर्ष आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था उन्हें अब दिनांक 1-12-76 से नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

नाम एवं पद	तबर्ष आधार पर स्था० एवं लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तारीख, देखिए अधिसूचना सं०	जिस कार्यालय में नियुक्त हैं।
1	2	3
1. श्री एच० डी० चक्रवर्ती, कार्यालय अधीक्षक 700-30-760-35-900 (स्थानापन्न) के वेतनमान में।	25-4-75 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना संख्या गो-4966/718-ए दिनांक 2-6-75)।	सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (स० प्र० एवं मा० उ० के०) हैदराबाद।
2. श्री एस० डी० करारिया, अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थानापन्न)।	1-12-75 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना संख्या गो-5030/718-ए दिनांक 9-12-75)।	मानचित्र प्रकाशन निदेशालय, देहरादून।
3. श्री आर० एन० शर्मा, अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थानापन्न)।	1-12-75 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना संख्या गो-5031/718-ए दिनांक 9-12-75)।	ज्योडीय एवं अनुसंधान शाखा, देहरादून।
4. श्री बी० एन० नैथानी, अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय (स्थानापन्न)।	29-4-75 (पूर्वाह्न) (अधिसूचना सं० गो-4967/718-ए दिनांक 2-6-75)।	उत्तरी सर्किल, देहरादून।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० एफ० 20(बी०-3) 3/61ए 1 —कुमारी आरती राय को अपनी निवर्तन आयु प्राप्त होने के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय 2—386 जी०आई०/76

अभिलेखागार के अभिलेखाधिकारी (सामान्य) का सरकारी सेवा से, 31 अक्तूबर 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त किया गया।

डा० एस० एन० प्रसाद
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 4(4)76-एस०-I (भाग-2)---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा निम्नलिखित प्रसारण निष्पादकों को अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर, अग्रेतर आदेशों तक, प्रत्येक के सामने दी गई तिथि से, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	आकाशवाणी केंद्र जहां प्रसारण निष्पादक हैं	कार्यक्रम निष्पादक की नियुक्ति की तिथि और नियुक्ति का केन्द्र
1.	श्री एन० आर० नायर	आकाशवाणी, पांडिचेरी	25-10-76 आकाशवाणी, त्रिचुर।
2.	श्री एम० एन० विस्वास	विज्ञापन प्रसारण सेवा, कलकत्ता	27-10-76 आकाशवाणी, कोहिमा।
3.	श्री एस० सी० माथुर	आकाशवाणी, मथुरा	28-10-76 आकाशवाणी, गोरखपुर।
4.	श्री एन० सी० नरसिम्हाचार्यलु	आकाशवाणी, विजयवाड़ा	29-10-76 आकाशवाणी, कोहिमा।
5.	श्री एम० के० फड़के	दूरदर्शन केंद्र, बम्बई	3-11-76 आकाशवाणी, रत्नागिरि।
6.	कु० डी० ई० मेहरजी	केन्द्रीय विक्रय एकक, आकाशवाणी, बम्बई	4-11-76 आकाशवाणी, बम्बई।
7.	श्री आर० पी० साहु	आकाशवाणी, इलाहाबाद	25-10-76 आकाशवाणी, रायपुर।

पी० के० सिन्हा
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० ए०-19012/58/76-एस-2---महानिदेशक दूरदर्शन ने आकाशवाणी महानिदेशालय के श्री आर० पी० सक्सीना, स्थायी लेखाकार और स्थानापन्न वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ को अपने सरकारी पद से 30-9-76 (अपराह्न) से निवृत्तन की प्राप्ति होने पर सेवा-निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

आर० कृ० खट्टर
उपनिदेशक (प्रशासन)

अर्जित छुट्टी पर रहने के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I अधिकारी डा० बी० आर० सरकार ने भारत के सीरम विज्ञानी एवं रासायनिक परीक्षक, कलकत्ता, के कार्यालय में सहायक सीरम विज्ञानी एवं रासायनिक परीक्षक के पद का कार्यभार 13 सितम्बर, 1976 पूर्वाह्न से संभाल लिया।

को० वेणुगोपाल
उप निदेशक प्रशासन (सी० एच० एस०)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1976

सं० ए० 22012/44/76 सी० एच० एस०-I---अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप तथा 2 अगस्त, 1976 से 11 सितम्बर 1976 (जिसमें 12 सितम्बर, 1976 के रविवार को भी छुट्टी के बाद जोड़ने की अनुमति है) तक 41 दिन की

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12023/4/76-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने 9 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन एवं प्रदर्शन केन्द्र) श्री पी० एस० बाबा को उसी ब्यूरो में अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री पी० एस० बाबा ने, अनुसंधान अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन एवं प्रदर्शन केन्द्र) के पद का कार्यभार 9 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न को छोड़ दिया।

सं० ए० 12024/5/76 (सी० एच० ई० बी०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री यू० एस० मिश्र, सहायक सम्पादक (रेडियो तथा दूरदर्शन), केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को उसी ब्यूरो में प्रचार-अधिकारी (श्रवण-दृश्य सहायता) के पद पर 24-9-76 से तदर्थ आधार पर आगामी आदेशों तक नियुक्त किया है।

2. प्रचार अधिकारी (श्रवण-दृश्य सहायता) के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप श्री यू० एस० मिश्र ने 24-9-76 पूर्वाह्न को सहायक सम्पादक (रेडियो तथा दूरदर्शन) केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/43/76 (आर० ए० के०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 5 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक श्रीमती ऊषा मलिक को राजकुमारी श्रमृत्कौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, में वरिष्ठ ट्यूटर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. वरिष्ठ ट्यूटर के पद अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्रीमती ऊषा मलिक ने 5 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से उसी संस्थान में ट्यूटर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 31013/12/73 (इब्ल्यू० एच०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने श्री एम० के० केलकर को 1 मार्च, 1972 से बिल्डिंग अस्पताल, नई दिल्ली, में स्थायी रूप से कनिष्ठ जीव रसायनज्ञ के पद पर नियुक्त किया।

दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12025/10/76-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० के० सुधीर को 26 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला गाजियाबाद में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12022/1/76 (सी० एस० एस० एस०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-2 के आशुलिपिक सर्वश्री एस० के० चौधरी तथा जय कुमार को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में क्रमशः 14 अक्टूबर, 1976 और 22 नवम्बर, 1976 से तथा आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (सी० एस० एस० एस० ग्रेड-1) के पदों पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

शाम लाल कुठियाला
उपनिदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग
(नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 22 नवम्बर 1976

सं० एन० ए० पी० पी०/18/41/75/प्रशा०—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, मुम्बई के निदेशक, नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना के अस्थायी पर्यवेक्षक (सिविल) श्री टी० हरीशचन्द्र को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक उसी परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थाटे
प्रशासन-अधिकारी
कृते निदेशक,

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 18 नवम्बर 1976

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/64/74-14702—श्री पोरथपक्कम वेणुगोपालाचारी सुन्दरराजन, जिन्हें दिनांक 15 अप्रैल, 1976 की अधिसूचना संख्या आर० आर० सी०-II-1 (26)/72-4129 द्वारा 9 मार्च, 1976 से सहायक प्रशासन-अधिकारी नियुक्त किया गया था, को 8 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है। इस प्रत्यावर्तन का कारण इस केन्द्र में श्री अय्यास्वामी अय्यर सुब्रह्मण्यन का स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन-अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाना है।

आर० पार्थासारथि
मुख्य प्रशासन-अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

(सिविल इंजीनियरी प्रभाग)

बंगलूर-560025, दिनांक 16 नवम्बर 1976

सं० 10/5(28)/76-सि० इं० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग, बंगलूर में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में फोरमन (विद्युत्) श्री एस० एस० राव को इसी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार
प्रशासन अधिकारी-II
कृते मुख्य अभियन्ता

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्री हरिकोटा सामान्य सुविधायें

कार्मिक और सामान्य प्रशासन

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 11 नवम्बर 1976

सं० एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/ई० IV/1. 72—
सर्वश्री वी० गोपाल राव और बी० सुगुमार को शार केन्द्र के
एस० एल० ई० एक्स० में इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-
30-740-35-880-द० रो०-40-960/- के वेतनमान में दिनांक
25-10-1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया
जाता है।

सं० एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/ई० IV/1. 72—
कुमारी उषा दोश को शार केन्द्र के एस० एल० ई० एक्स० में
इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० 650-30-740-35-880-
द० रो०-40-960/- के वेतनमान में दिनांक 5-11-1976 के
पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

(ह०) आपठनीय

नियन्त्रक

शार केन्द्र

कृते निदेशक, विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० ई० (1) 04267—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वानुमान) पूना के कार्यालय में
व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को 15-11-76
के पूर्वाह्न से 13-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए
स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजा स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं
के उपमहानिदेशक, (पूर्वानुमान) पूना के कार्यालय में ही तैनात
रहेंगे।

सं० ई० (1) 04304—वेधशालाओं के महानिदेशक
निदेशक, उपकरण पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक
श्री आर० चौधरी को 15-11-76 के पूर्वाह्न से 13-1-77 तक
60 दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी
के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक
(उपकरण) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04318—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के उप महानिदेशक (जलवायु विज्ञान तथा भू-भौतिकी)
पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एच० आर०

गणेशन को 15-11-76 के पूर्वाह्न से 13-1-77 तक 60 दिनों
की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद
पर नियुक्त करते हैं।

श्री गणेशन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेध-
शालाओं के उप महानिदेशक (जलवायु विज्ञान तथा भौतिकी)
पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05773—वेधशालाओं के महानिदेशक
वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय
में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एम० सक्सेना को 16-11-76
के पूर्वाह्न से 14-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए
स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते
हैं।

श्री सक्सेना, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं
के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय में ही
तैनात रहेंगे।

दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० ई० (I) 05481—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में
व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 25-11-76
के पूर्वाह्न से 23-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए
स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते
हैं।

श्री भान वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही
तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में व्यावसायिक
सहायक श्री एस० सी० गुप्ता को 16-11-76 के पूर्वाह्न से
14-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक
मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं
के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 07161—वेधशालाओं के महानिदेशक,
वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में
व्यावसायिक सहायक श्री ओंकारी प्रसाद को 8-11-76 के
पूर्वाह्न से 4-2-77 तक नवासी दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न
सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओंकारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी
वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही
तैनात रहेंगे।

गुरुमुख राय गुप्ता

मौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० ए०-32013/6/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, पटना के श्री एस० जी० प्रसाद, सहायक संचार अधिकारी को 28 अक्तूबर, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-32013/18/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन महानिदेशालय (मुख्यालय) के श्री एस० के० दास, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को 7 जुलाई, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली

उप निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० 15/109/76-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों, प्रथम वर्ग को अगले आदेशों तक उनके सामने लिखी तारीखों से सहर्ष तदर्थ रूप में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

1. श्री डी० सी० चौधरी . 29-9-76 (पूर्वाह्न)
2. श्री ए० पी० कुरील 29-9-76 (पूर्वाह्न)

सं० 16/69/66 'स्थापना'-1—श्री एस० पी० मिश्रा, पुस्तकाध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को मूल नियम 56(जे०) के अधीन, 25-10-76 के अपराह्न से सेवा निवृत्त किया गया।

सं० 16/155/67-स्थापना-1—तिलहन विकास निदेशालय, हृदराबाद में उप निदेशक (अखाद्य तेल) के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० पी० जुयाल को दिनांक 3-11-1976 के अपराह्न से वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में उनके अनुसंधान अधिकारी पद के कार्यभार से मुक्त किया गया।

पी० आर० के० भटनागर
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० 122/76—इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र सं० 11-166-ई० टी०/76/36538 दिनांक 10-8-76 के अन्तर्गत वितरित स्थापना आदेश सं० 1/ए०/229/76 दिनांक 10-8-76 के अनुपालन में श्री महेश नारायण माथुर, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अपनी पदोन्नति, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप 'ख' वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पद पर होने पर अधीक्षक, (लेखा परीक्षा II) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय, ग्रुप 'ख' कानपुर के पद का कार्यभार, दिनांक 11-10-76 (पूर्वाह्न) को श्री बी० आर० नन्दा, अधीक्षक (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर के अतिरिक्त कार्यभार मुक्त करते हुए, गृहण किया।

दिनांक 26 नवम्बर 1976

सं० 121/76—इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र सं० 11-166-ई० टी०/76/36538 दिनांक 10-8-76 के अन्तर्गत वितरित स्थापना आदेश सं० 1/ए०/229/76, दिनांक 10-8-76 के अनुपालन में श्री द्वारिका नाथ भाटिया, निरीक्षक (प्रवरण कोटि), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अपनी पदोन्नति, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप 'ख' वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर होने पर अधीक्षक (निरीक्षक), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय) ग्रुप 'ख' कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 11-10-76 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया।

कु० श्री विलिपसिहजी,
समाहर्त

नारकोटिक्स विभाग

नई दिल्ली-110024, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० 2—श्री बी० एस० दर्द, उप वित्तीय सलाहकार एवं सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, शासकीय अप्रीम व अल्कालाईड वर्क्स इन्डस्ट्रियल, नीमच को 15-6-1976 से रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 810 के चरण पर दक्षता-रोक पार करने की अनुमति दी जाती है वित्तीय लाभ 1-6-1976 से लागू होगा।

कृष्ण प्रकाश आनन्द
मुख्य नियंत्रक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० क०-19012/604/76-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० अच्युतन कुट्टी, पर्यवेक्षक

को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 15-9-76 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री अच्युतन कुट्टी ने अन्वेषण वृत्त-एक फरीदाबाद के अन्तर्गत अंशमान अन्वेषण उप-प्रभाग सं० 3, पोर्ट ब्लेयर, में उपर्युक्त तिथि तथा समय से सहायक अभियंता का पदभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० क-19012/581/76-प्रशा०-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन के परिणामस्वरूप, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री सी टी० बेटगरी को केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी, (सिविल अभियान्त्रिकी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो 10 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से भावी होगा।

श्री सी० टी० बेटगरी उसी दिन तथा समय अर्थात् 10-11-1976 से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

जसवंत सिंह

अवर सचिव

कुले अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 29 नवम्बर 1976

सं० ई०-2/ई० एस०/सी० एफ० एम०/ओ०/मेक—श्री एन० वेंकटरामन को अ० अ० मा० सं० लखनऊ के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में सहायक अनुसंधान इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में दिनांक 5-4-1976 से स्थायी किया जाता है।

गोपीनाथ भट्टाचार्य

महा निदेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० का० शा०/रा० सा०/9/विधि II—(1) श्री आर० श्रीनिवासन ऐयंगर, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/क्रय/शैल (श्रेणी II) को 4-11-76 से जिला भंडार नियंत्रक क्रय/फर० के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है।

(2) श्री जे० नटराजन, कार्यालय अधीक्षक (श्रेणी II) को 4-11-76 से तदर्थ रूप से श्रेणी II में सहायक भंडार

नियंत्रक/क्रय/शैल के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया है।

सु० वेंकटरामन

उप मुख्य कार्मिक अधिकारी

कुले महाप्रबन्धक

पूति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003 (उड़ीसा) दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० पी० 2/97—इस कार्यालय के अधिसूचना सं० पी० 2/97 दिनांक 28 अप्रैल 1976, के क्रम में श्री राजा राम बलैया को सहायक प्रशासन अधिकारी (वर्ग-बी० राजपत्रित) के पद पर रु० 650-30-740-35-880 द० रो० 40-960 के वेतनमान में पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, शाहपुर जिला बेतूल (म० प्र०) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को 31-1-77 तक, या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

एन० सत्यमूर्ति

प्रचालन अभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाईटिंगरिव कोल इण्डस्ट्री एण्ड ट्रेड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

शिलांग, दिनांक 27 नवम्बर 1976

सं० 1010/560/3038—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लाईटिंगरिव कोल इण्डस्ट्रीज एण्ड ट्रेड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० के मण्डल

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स दामजी जेठाभाई एण्ड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1976

सं० 560/850—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि मसर्स दामजी जेठाभाई एण्ड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
गुजरात

कम्पनी अधिनियम 1956 और गिरधर कॉफी इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० 1244/टी०-(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गिरधर कॉफी इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राधाकिशन डालमिया एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई-2, दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० 8547/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राधाकिशन डालमिया एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवाणी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दिल्ली कशमीर गुडज ट्रांसपोर्ट कम्पनी, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 2801/21799—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दिल्ली कशमीर गुडज ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
दिल्ली व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और मरोलिया कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० 15260/2828-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मरोलिया कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज
उत्तर प्रदेश कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और सामसन्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 226/6/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि सामसन्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 हासनपुर शूगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 28703/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि हासनपुर शूगर मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आयरा शूगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 28705/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आयरा शूगर मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिवहर शगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 28702/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि सिवहर शगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिधावशालीया शूगर मिल्स लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 28704/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि सिधावशालीया शूगर मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और माडर्न सिन्थेटिक फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 27588/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि माडर्न सिन्थेटिक फैब्रिक्स प्राइवेट

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956, और दि सैन्ट्रल कनसरन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 16871/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि सैन्ट्रल कनसरन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और माडर्न डिस्पले प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० 15018/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि माडर्न डिस्पले प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 10 दिसम्बर 76

निदेश सं० 111-234/अर्जन/ 76-77/ 2766:— यतः
मुझे शंकर शरण सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी खाता नम्बर 186, टो० नं० 282 है, तथा जो
मारीपुर मुजफ्फरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 18-3-76

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वक्षित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3-386 जी आई 76

(1) श्री विरेन्द्र कुमार सिंह बल्द श्री कृष्ण कुमार सिंह
एवं अभय कुमार सिंह (नाथालीग) मोटला-मारीपुर
जैतपुर हाउस, पो०/जिला मुजफ्फरपुर

(अन्तरक)

(2) डा० विरेन्द्र किशोर नारायण सिंह बल्द श्री राज किशोर
शर्मा ग्राम पकरी पो०/जिला सीतामढ़ी, हाल पता
श्रीकृष्ण मेडिकल कालेज, मुजफ्फरपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 19 कठ्ठा 11 $\frac{1}{2}$ घूर जो माडीपुर थाना
सदर मुजफ्फरपुर में है तथा जिसका खाता संख्या 147, जमीन
संख्या 225, 924, हो० संख्या 282 है और जिसका वर्णन
दस्तावेज संख्या 4269 दिनांक 18-3-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

तारीख : 10-12-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 495/ए० सी० ब्यु०-23-886/7-4/76-77:—

यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 192/2 है, तथा जो काबिलपोर, जी० ई० बी० सब स्टेशन के पास नवसारी में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जशुबेन, रमणलाल डाह्यीभाई मिस्त्री की पत्नी,
कुल मुखतार : रमण लाल डाह्यीभाई मिस्त्री, नवसारी
(अन्तरक)

(2) श्री शैफुद्दीन हुसैनअली लोखंडे वाला मोटा बाजार,
नवसारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुसी जमीन जिसका सं० नं० 195/2 पैकी कुल माप 29682 वर्गफुट है तथा जो काबिलपोर, जी० ई० बी० सब स्टेशन के पास नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अप्रैल, 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 425 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 6-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

निदेश सं० पी० आर०-496/ए० सी० क्यू० -23:—यतः,
मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मैजे कर्मसद, सर्वे नं० 395, प्लॉट नं०
4 तथा 5, है, जो विहुल उद्योगनगर, तालूका आनन्द, डिस्ट्रिक्ट
कैरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स ईस्टर्न इंजीनियरिंग क० की ओर से भागीदार:—
श्रीमती धीरजबेन धर्मपत्नी श्री चन्द्र कान्त हीमाभाई
अमीन, 49, सरवयूलर रोड, बल्लभ विधाननगर,
तालूका आनन्द, डिस्ट्रिक्ट: कैरा

(अन्तरक)

(2) (i) श्रीमती मंजूलाबेन धर्मपत्नी अविद भाई चुनीलाल
पटेल, 404, हीरमजद एपार्टमेन्ट, 131 अगस्त, क्रंती
मार्ग बम्बई-400036

2. (ii) शारदा बेन धर्मपत्नी हरबद भाई जशभाई पटेल,
"पीरुपती" कला मंदिर के पीछे, बल्लभ विधाननगर,
तालूका आनन्द, डिस्ट्रिक्ट, कैरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 4046.85
वर्ग मीटर है या लगभग 43560 वर्ग फुट है तथा जिसका सर्वे
नं० 355, प्लॉट नं० 4 तथा 5 है, तथा जो कर्मसद गांव तालूका
आनन्द, डिस्ट्रिक्ट कैरा में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण
अप्रैल, 1976 वाले विक्की वस्तावेज नं० 638 में दिया गया
है तथा जो आनन्द की रजिस्ट्री ऑफीस में रजिस्ट्र किया गया
है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 6-12-76

मोहर :

प्ररूप० आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 497/ए० सी० क्यू०-23-825/7-4/75-76:—

यतः मुझे पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 644 महारानी शांतादेवी रोड, जनकल्याण सोसायटी के पास है, तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन : 3-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ईश्वरभाई नारणभाई पटेल दरगा रोड, नवसारी, मनीबेन डाह्याभाई पटेल, महारानी शांतादेवी रोड, नवसारी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मगनीभाई अंबाभाई पटेल
2. बभ्रुभाई कुंवरजी पटेल
3. रमणीकलाल वीरजीभाई पटेल
4. देवशीभाई रघुभाई पटेल सब गांधीनगर सोसायटी नवसारी,
5. राधवजीभाई मूलजीभाई पटेल, जलालपुर रोड, नवसारी
6. मगनीभाई माधवजीभाई पटेल, अंजाव
7. गोविंद भाई खजीभाई पटेल, व्यारा, जि० सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 644 पैकी कुल माप 33 गुंथा अर्थात् 36370 वर्गफुट है तथा जो जनकल्याण सोसायटी के पास महारानी शांतादेवी रोड नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के मई, 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 522 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 6-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1976

निदेशनं० 498/ए० सी० क्यू० 23-845/19-7/76-77:—

यतः मुझे, पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 6 (भाग) म० नं० 60 (पी०) अठगा गांव है, तथा जो मेन दुमस-सूरत रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री अतुल शांतिलाल खांडवाला, खांडवाला शेरी सूरत (हाल अमेरिका)
2. सुकेतु अतुल कुमार खांडवाला (सगीर)
- दोनों का कुल मुखतार श्री शांति लाल रंगील-दास खांडवाला, खांडवाला शेरी, बाड़ी फालिया, सूरत

(अन्तरक)

- (2) 1. नटवर लाल कृष्णाजी शाह
2. अमर नटवरलाल शाह
3. अतुल नटवर लाल शाह, गोपीपुरा, मेन रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 6, हिस्सा नं० 2, वाई नं० 13, नोंध नं० 60, प्लॉट नं० 4 और कुल माप 817 वर्गगज है तथा जो अठगा गांव, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मई, 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2102 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1617-22/अप्रैल 76 —अतः मुझे, व्ही० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० 1/665 मालाबार और कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो अल्टा माउंट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री नन्दलाल मुकुन्द लाल, (2) गिरधर लाल मुकुन्द लाल, (3) इंदिराबाई गोपालाल, (4) श्रीकांत गोपालाल, (5) मनोहर लाल मुकुन्द लाल, (6) कृष्णकांत गोपालाल (अन्तरक)

(2) नंदन निकुंज को० ओप हाउ० सो० लिमि०

(3) नंदन निकुंज को० ओप हाउ० सो० लिमि० के सदस्य

1. श्री एस० डी० वैद 2. श्री एस० ए० जवेरी 3. श्री यूसुफ अब्दुली सुतरवाला और श्री नोमन अब्दुली सुतरवाला 4. श्री हातिम अब्दुली सुतरवाला श्री नोमन अब्दुली सुतरवाला 5. श्री लाभूराम मातवलचन्द ओवर और 6. श्री अनिल आनन्दराय मेहता 7. श्री गोविंदराम खियाराम लूथरिया और (मृत श्री के० वी० लूथरिया) 8. श्री कन्हैयालाल

खियाराम लूथरिया और श्रीमती प्रोपती खियाराम 9. श्री दीपचन्द तैजमल गोलानी 10. श्री शंकरलाल दीपचन्द गोलानी 11. कुमारी भारती एम० पित्ती, अपने पिता और स्वाभाविक संरक्षक श्री मनोहरलाल एम० पित्ती द्वारा 12. श्रीमती चन्द्रकांत एम० पित्ती 13. श्री श्रीकांत जी० पित्ती 14. श्री कृष्णकांत जी० पित्ती 15. श्री नन्दलाल एम० पित्ती 16. श्री श्रीधर एन० पित्ती 17. मै० मुकुन्दलाल बंसीलाल एण्ड संस 18. नंदन निकुंज को० ओप हाउसिंग सोसायटी का कार्यालय 19. श्रीमती इंदिराबाई जी० पित्ती 20. श्रीमती वीना जी० पित्ती 21. श्री मनोहर लाल एम० पित्ती 22. श्री श्री किशन लाल चन्द अग्रवाल 23. श्री लाभूराम मातवलचन्द ओवर 24. श्री अनिल ए० मेहता 25. श्री जी० के० लूथरिया 26. श्री राम प्रसाद एन० व्यास 27. श्री लक्ष्मीनारायण रामदेव बूबना

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो पेंशन और टैक्स पट्टे का प्लॉट नं० बी० है, उस पर बेचान की पुष्टि करने वाली पाटियों द्वारा बनाई गई "श्री कुंज" नाम की इमारत सहित, जो माप में 1791 वर्गगज यानी 1497.05 वर्गमीटर के बराबर या उसके आसपास है, जो कि जमीन के उस बड़े टुकड़े का भाग है, जिसका केडेस्ट्रल सर्वे नं० 1/665, मालाबार कम्बाला हिल डिवीजन कलक्टर का नया नं० ए०/624 का भाग, नया सर्वे नं० 2 ए/7074 का भाग एन० एस० शीट नं० 224-इ-220 ब 665 है और जो अल्टा माउंट रोड पर बम्बई फोर्ट के बाहर मौजूद है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि उक्त प्लॉट के पूर्व की ओर है वह प्लॉट जिसका नं० "सी०" जो पहले बी० टी० बडोवावाला बगैरह का था, उस प्लॉट के उत्तर की ओर है अंशतः वह सम्पत्ति जिसका नाम वार्शिंगटन हाउस और अंशतः शाह कन्स्ट्रक्शन कं० लि० की सम्पत्ति। प्लॉट के दक्षिण की ओर है ग्राम निकास सड़क उक्त प्लॉट के पश्चिम की ओर है प्लॉट "ए" जिसके मालिक श्री कामडिया हैं।

व्ही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 8-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61, एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, दिनांक 6 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० सी० ए० 5/सप्टेंबर 76/ सोलापूर/313/76-77—
—यतः, मुझे, व्ही० ए० गायतोंडे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 149 है, तथा जो सोलापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-9-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कोंडाजी हनुभाई बागवान घर क्रमांक 18, शुक्रवार पेठ, सोलापूर

(अन्तरक)

(2) 1. श्री चन्द्रन एल० बंडगिरि
2. श्री रविन्द्र एन० मुटाकिरी
घर क्रमांक 508 शुक्रवार पेठ, सोलापूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 149 सोलापूर अक्कलकोट रोड, सोलापूर क्षेत्रफल
(9 एकड़ 32 गुंठी)

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1374 दिनांक 18-9-1976 को सब-रजिस्ट्रार सोलापूर के दफ्तर में लिखा है)

व्ही० एस० गायतोंडे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० अब्दुल रशीद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एस० इकबाल रजाक

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 76

निदेश सं० 19/अप्रैल/76 :—यतः मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फर सं० 284 है, जो पाक्कुमालिगै कादर हुसेन स्ट्रीट, पेरियपेट, वानियम्बाडि, तालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० वानिमम्बाडि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 284, पाक्कुमालिगै कादर हुसेन स्ट्रीट पेरियपेट, वानियम्बाडि, नार्थ आर्कट डिस्ट्रिक्ट, टी० एस० सं० 88, वार्ड सं० 'बी', 2 लाख सं० 15 (नया टि.एस० सं० 46) में 3434 सुकेयर फुट का भूमि और घर और सरना।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 30-11-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती टि० आशिषा बिबि और तीन दूसरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री ए० रावूफ बाठा साहेब

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

निदेश सं० 23/अप्रैल/76 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिष्टास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेसं० 76 और 77 है, जो पेरिपवारिकम ग्राम, वानियम्बाडि तालूका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० आम्बूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-386जीआई/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 76 और 77, पेरियावारिकम ग्राम, वानियम्बाडि तालूका, नार्थ अर्काट डिस्ट्रिक्ट में 3.79 एकड़ का खेती की भूमि, झरना, और प० सेट

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 30-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० पी० कालीयन्न गऊन्डर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चिन्नन्न गऊन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 31/अप्रैल/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 201/4 बी० और 6 बी० है, जो कोनेरी पट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एडप्पाडी (पत्र सं० 427/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, कोनेरीपट्टी गांव आर० एस० सं० 201/4 बी० में 1.16 एकड़ और 201/6 बी० में 0.90 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 मद्रास

तारीख : 3-12-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० तारापुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी० एल० राजसेकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 66/अप्रैल/76-77:—यतः मुझे, जी० रामा-
नाथन आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4/1 है, जो वासु स्ट्रीट मद्रास-10 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2197/76) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 27-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, वासु स्ट्रीट डोट सं० 4/1 (आर० एस० सं० 154/22)
में 2 अउन्ड और 1440 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 3-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० तारापूर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 5/अप्रैल/76-77:—यतः मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है, जो हारीटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2096/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री जी० भारद्वाज और एम० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 31 हारीटन रोड डोर सं० 15, प्लॉट सं० "एन०" (आर० एस० सं० 324 और 329) में 2 अकड़ और 72 स्क्वियर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 मद्रास

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ई० एस० एम० आयीसा बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) मसजीत ई० मामूर कमिट्टी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, अगम्प नायकन स्ट्रीट डोर सं० 215 (आर० एस० सं० 4503/भाग) में 2050 स्क्वयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

निदेश सं० 10/ अप्रैल/ 76-77:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 215 है, जो अगम्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2021/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० राधाकिशन चेट्टी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० तंगवेलु मदलियार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 11/अप्रैल/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 89 है, जो कारेल मैर्चेंट स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1856/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 1, कोरल मैर्चेंट स्ट्रीट डोर सं० 89 (अर० एस० सं० 2839) में एक ग्रऊन्ड और 820 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर, 1976

निवेश सं० 75/मई/1976-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सिद्धरेवू और सेबुगमपट्टी है, जो मद्रास में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मटलगुन्डु (पत्र सं० 1035/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचन्द्र नायकर और आदि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सकुन्तला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिद्धरेवू गांव एस० सं० 1277/8, सेबुगमपट्टी एस० सं०
5/1, 2, 3, और 6, और 6/1, 2 और 4 में 9.75 एकड़ खेती
की भूमि में 3/5 ग्रामपंच भाग।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री रामचन्द्र नायम्बर और आदि

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 81/ मई/ 76- 77 :-यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है, जो सिद्देबु और
सेवुगमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मटलगुन्डु
(पत्र सं० 1034/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मई, 1976
के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिद्देबु गांव एस० सं० 1277/8, सेवुगमपट्टी एस० सं०
5/1, 2,3, और 6 और 6/1, 2 और 4 में 9.75 एकड़ खेती की
भूमि में 2/5 आमन्न भाग।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I मद्रास

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० 167/76-77/एसी० क्यू० :—यतः मुझे, पी०
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

सं० नं० 22 है, जो शिमोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शिमोगा डाक्युमेंट नं० 87/76-77 के अन्तर्गत
19-4-1976 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
5—386 GI/76

- (1) 1. श्री आर० एस० अश्वथनारायण
2. श्री आर० एस० शंकरनारायण
3. श्री आर० एस० शामप्रसाद
4. श्री वत्सा वी, मैसर्स विनायक रैस मिल्स वी० एच०
रोड, शिमोगा, के भागीदार

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री टी० पुट्टस्वामी सेट्टी
2. श्री टी० पी० अशोक कुमार
3. श्री टी० पी० सत्यनारायण सेट्टी
सत्यनारायण इंडस्ट्रीज, वी० एच० रोड, शिमोगा,
के भागीदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शिमोगा मुनिसिपालिटी की सीमा में स्थित ए० 2 गुं० 12
बिस्तीर्ण का बिन शेतकी जगह जिसका सर्वे नम्बर, 22 है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज धारवाड़

तारीख : 30-11-76
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़, दिनांक 6 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० 168/76-77/एक्यु० :—यतः मुझे, पी० सत्य-
नारायण राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,
और जिसकी सं० आर०-13(ए०)/2038/15/2243 है,
जो डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगेरे
डाक्युमेंट नं० 427 के अन्तर्गत 13-5-1976 के दिन में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन:
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एच० एम० शिवकुमार मारुती फलौर मिल के
मालिक भद्रावनी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री एस० सुरेंद्र
2. श्री एस० रमेश
3. श्री एस० सतीश
4. श्री मोहन

मार्फत श्री ए० शरणप्पा, निवृत्त एक्सिकूटिव इंजीनियर,
चौथा ब्लाक, जयनगर बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम० सी० सी० 'ए०' ब्लाक डावणगेरे में स्थित रहने का
घर, जिसका मुनिसिपल नंबर आर०-13 ए० /2038/15/2243
है और सैट का विस्तीर्ण 95' 60' है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 6-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 नवम्बर, 1976

निदेश सं० अर्जन/ 241-ए०/ देहरादून/ 76-77/2231:--

अतः मुझे, विजय भार्गव

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:--

(1) श्रीमती बृजरानी पत्नी श्री ए० के० बख्शी (2) श्री बृज मोहन श्री जय किशन दास द्वारा श्री अवतार किशन बख्शी मुख्तार

(अन्तरक)

(2) नव चित्र हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड रजिस्टर्ड द्वारा श्री डी० आर० डीगरा श्रीर श्री आर० एस० सेठी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति रकबा 3605 वर्गगज खसरा नं० 115-एम० और खसरा नं० 118 स्थित ग्राम कनवली 32,000) रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-11-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निदेश सं० अर्जन/152-ए० / मुजफ्फरनगर/ 76-77/ 2232:-

—अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों; को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

(1) 1. श्री ला० हरीराज स्वरूप (2) ला० गोपाल रा स्वरूप, (3) ला० ब्रह्म राज स्वरूप (4) श्रीमती विद्यावती स्वरूप (5) ला० माधव कुमार स्वरूप (6) ला० अरुण कुमार स्वरूप (7) श्रीमती ज्योत्सुना कुमारी स्वरूप (8) ला० केशव कुमार स्वरूप (9) ला० प्रभात कुमार स्वरूप (10) श्रीमती बेववती स्वरूप (11) ला० श्रवण कुमार स्वरूप (12) ला० गोबिन्द स्वरूप, निवासी मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

(2) निर्मल सोसायटी रजिस्टर्ड यू० पी० द्वारा सिस्टर रैप्रेटा सैन्ट्रेटी, सिस्टर, डालरिटा प्रजीडेंट व डा० अश्वती कुमार मेम्बर, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति म्युनिस्पल नं० 228 से 230 स्थित मौहल्ला आर्यपुरी टाऊन हाल रोड, मुजफ्फरनगर, 4,00,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निदेश सं० अर्जन /223-ए०/ हरिद्वार/76-77/2228:—

अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम प्रकाश पुत्राश्री नवनीपत राम निवासी जोधा
मल रोड, हरिद्वार

(अन्तरक)

(2) शान्ति आश्रम द्वारा श्री भूपेश चन्द भट्टाचार्य (सत्यानन्द
गिरि) पुत्र स्व० विजय चन्द, निवासी 248, काला
घाट रोड, कलकत्ता-26 (वर्तमान विष्णु घाट,
हरिद्वार)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति 1102 वर्गफुट वाले जोधामल रोड, हरिद्वार
परगना खालापुर, 37,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निर्देश नं० अर्जन/243-ए०/देहरादून/76-77/2227:—

अतः मुझे, विजय भागव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का अधीन तारीख 17-5-1976 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा: (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्राण नाथ द्वारा सुरेन्द्र कुमार मेहता निवासी मोती बाग, न्यू देहली ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सुनील इंजीनियरिंग वर्क्स डी०-4 इन्डस्ट्रीयल एस्टेट द्वारा श्री एम० एल० टीकू पार्टनर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 194/5 रकबा 1488 वर्गफुट वाले राजपुर रोड, देहरादून, 57,000 रु० मूल्य में हस्ताणन्तरित की गई है ।

विजय भागव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 25-11-1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निदेश सं० अर्जन /224-ए०/हरिद्वार/ 76-77/2229 :—

अतः मुझे, विजय भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राज कुमारी पुत्नी श्री राम प्रकाश निवासी
जोधमल रोड पास राम लीला भवन, हरिद्वार।
(अन्तरक)

(2) शान्ति आश्रम द्वारा श्री भूपेश चन्द भट्टाचार्य (सत्यनन्द
गिरि) पुत्र स्व० विजय चन्द नि० 248 कालीघाट
रोड कलकत्ता -26, वर्तमान विष्णु घाट राम लीला
भवन, हरिद्वार।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में सम्पत्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

अबल संपत्ति रकबा 1102 वर्गफुट वाली जोधमल रोड,
हरिद्वार परगना ज्वालापुर, 37,500/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित
की गई है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-76

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियन्तृ रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जन (349/हरिद्वार/76-77/2230—

प्रतः मुझे, विजय भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16f) के अधीन, तारीख 22-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री राम प्रकाश निवासी हरिद्वार राम लीला चौक, परगना ज्वालापुर । (अन्तरक)

(2) शान्ति आश्रम द्वारा भूपेश चन्द भट्टाचार्य (सत्यनारायण गिरि), पुत्र श्री विजय चन्द निवासी, 248, कालीघाट, रोड, कलकत्ता-26 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति रकबा 1102 वर्गफुट बाकै राम लीला चौक, हरिद्वार परगना ज्वालापुर, 37,50,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-11-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिसंहन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 नवम्बर, 1976

निदेश नं० अर्जन/350/हरिद्वार/76-77/2226--अतः मुझे, विजय भार्गवा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—386 जीआई/76

(1) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री नोनीपत राम निवासी हरिद्वार रामलीला चौक, परगना जवालापुर (अन्तरक)

(2) शान्ति आश्रम द्वारा भूपेश चन्द भट्टाचार्य (सत्यनारायण गिरी), पुत्र श्री विजय चन्द निवासी 248, कालीघाट रोड, कलकत्ता, -26 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति रकबा 1102 वर्गफुट बाकै रामलीला चौक, हरिद्वार परगना जवालापुर, 37,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-11-1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० अर्जुन/88/फतेहपुर/76-77/2250—अतः
मुझे, विजय भार्गवा

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्रीमती शान्ती बर्मा पति लक्ष्मी नारायण बर्मा,
निवासी सिविल लाइन, फतेहपुर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती हरबन्श कौर बेवा श्री सन्तोख सिंह,
(2) श्री चरनजीत सिंह, (3) गुरन्देव सिंह
पुत्रगण सरदार सन्तोख सिंह,
निवासी रेल बाजार, फतेहपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यवितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बाकै सिविल लाइन, फतेहपुर 40,000/-
रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-12-1976
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अधिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० अर्जन/89/फतेहपुर/76-77/2248—अतः मुझे विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या वित्त धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती वर्मा पत्नि लक्ष्मी नारायण वर्मा
निवासी सिविल लाइन, फतेहपुर।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह (2) सूरजीत सिंह पुत्रगण सरदार सिंह।

(3) श्री संतोष सिंह

(4) श्रीमती हरचरण सिंह पत्नि महेन्द्र सिंह,
निवासी रेल बाजार, फतेहपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बाकें सिविल लाइन, फतेहपुर, 42,000/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-12-1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/164/रुड़की/76-77/2247—अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनफूल सिंह पुत्र चोहल सिंह, जाति गूजर
निवासी ग्राम मखडूमपुर, डा० खास
परगना मंगलौर, तहसील रुड़की
जिला सहारनपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह व सहेन्द्र सिंह
व समुन्दर सिंह पुत्रगण श्री देवी सिंह,
निवासी शेरपुर डा० खास परगना मंगलौर,
तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 256 रकबा 6 बीघा 14 बिस्वा बांके मौजा मखडूमपुर परगना मंगलौर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर, 26,000/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-12-1976 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अर्जन/165/रुड़की/76-77/2244—अतः मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी

सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नियामत पुत्र काला जाति झोसा,
निवासी ग्राम पीरपुरा डाकखाना व परगना मंगलौर
तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर ।
(अन्तरक)

2. श्री मन्सूर अली (2) निसार अहमद (3) इत्यास
अहमद (बालिगान) (4) जाविर हसन (नाबालिग)
पुत्रगण श्री शौकत अली
(5) श्री शौकत अली पुत्र श्री अली मौहम्मद
(6) श्री मुनकैत (7) श्री मुनसब
पुत्रगण श्री रशीद अहमद
निवासीगण पीरपुरा, परगना व डाकखाना मंगलौर
तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 19 रकबा कुल 8 बीघा 13 बिस्वा 9 बिस्वांसी बाकै मौजा पीरपुरा परगना मंगलौर तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 40,000/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-12-1976 ।

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/73-ए/कानपुर/76-77/2529—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनु-
सार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्रापाल पुत्र महावीर निवासी 122/397 शास्त्री
नगर, कानपुर । (अन्तरक)
2. श्री शक्ति सेवा दल द्वारा श्री ज्ञान चन्द भाटिया 120/
397, लाजपत नगर कानपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 122/397 (प्लॉट) नं० 2210 रकबा
311 वर्ग गज बाकें शास्त्री नगर, कानपुर, 18,000 रु० मूल्य
में हस्तान्तरित की गई है ।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/228-ए/गाजियाबाद/76-77/2527—

अतः मुझे विजय भार्गवा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
9-7-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सत्यबीर सिंह (2) श्री सत्यपाल सिंह पुत्रगण
चौधरी दरयाब सिंह निवासी ग्राम बेरामाबाद परगना
जलालाबाद तह० गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक आफ इंडिया स्टाफ कोऑपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी यू० पी० द्वारा श्री दिनेश चन्द्र शर्मा, मोदी
नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खसरा नं० 1292 रकबा 15 बिस्वा 18
बिस्वन्सी बाकै ग्राम बेरामाबाद, बुढाना मोदीनगर जिला गाजिया-
बाद, 48,170 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/244-ए/मेरठ/76ब77/2526—अतः मुझे विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान सहाय पुत्र श्री छज्जू राम सिंह निवासी मोहल्ला कैलाशपुरी, शहर मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार (2) श्री लाडली प्रसाद पुत्र श्री भगवान सहाय (3) श्री दुर्गा प्रसाद (4) श्री अनिल कुमार उर्फ अनिल मोहन निवासीगण गढ़ दुर्गा नगर, शहर मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 4305 रकबा 500 वर्ग गज बाक कस्बा मेरठ कैलाशपुरी गढ़ रोड, जिला मेरठ 47,500 रु० में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/251/देहरीगढ़वाल/76-77/2525 —

अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—386जीआई/76

(1) श्री निर्मल कुमार घोष निवासी 1, जुमा पुकार लेन, कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) सच्चा वैदिक संस्थान 15, पटेल रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति खाली भूमि का टुकड़ा रकबा 16230 फुट बाकें मौजा तपोवन जिला देहरीगढ़वाल, 37,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अर्जन/252/टेहरीगढ़वाल/76-77/2528 --

अतः मुझे विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-4-1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निर्मल कुमार घोष निवासी 1 जुमा पुकार लेन कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) सच्चा वैदिक संस्थान 15, पटेल रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अश्वल सम्पत्ति 1 मंजिल बिल्डिंग रकबा 14520 वर्ग फुट बार्क मोजा टापोबन जिला टैहरीगढ़वाल 48,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 7-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सुभाष चन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती उर्मिला देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1976

निदेश सं० 21-यू०/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भकान है तथा जो मोहल्ला काटे कस्बा अमरोध
नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोध
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8-4-1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया
गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों, निम्नलिखित अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक भकान नं० 164 जो मोहल्ला काटे कस्बा अमरोध
जिला नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 29-11-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राजकुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विनोद कुमारी, वीरेन्द्र कुमार (अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री राज कुमार (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1976

निदेश सं० 29-बी०/Acq—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो काशीपुर मो० खालसा नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-4-1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि मोहल्ला खालसा जिला नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 29-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री विश्वेश्वर रघुनाथ पटवर्धन, अनन्त रघुनाथ पटवर्धन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति अनुराधा कृष्ण राव पत्नी श्री कृष्ण राव
नायक । (अन्तरिती)

भारत सरकार

3. विधेता

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में संपत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4.

वहीं

अर्जन रेंज, लखनऊ

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1976

निदेश सं० 72-ए/अर्जन/76-77:—अतः, मुझे, अमर
सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/र० से अधिक है

और जिसकी संख्या एकानं० के० 30/16 है, तथा जो घासी टोला,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एक एकानं० के० 30/16 जो घासी टोला वाराणसी
में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 29 नवम्बर, 1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1976

निर्देश सं० 89-एम०/अर्जन/1976-77/—मुतः मन्त्रे:

अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो माल रोड अलमोड़ा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अलमोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रघुबर दत्त जोशी उर्फ रघुनाथ जोशी (अन्तरक)
2. श्री मोहन सिंह रौतेला (अन्तरिती)
3. स्वयं
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. वही
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो माल रोड, अलमोड़ा में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 29 नवम्बर, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

निदेश सं० 34-जी०/अर्जन/76-77—अतः मुझे,
अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी जमीन का प्लॉट है तथा जो नैनीताल में स्थित है (और
इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम;
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकर लाल शाह मुख्तारेश्वर श्रीमती दया शाह
(अन्तरक)
2. श्रीमती गुरदीप कौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जमीन का प्लॉट जो मेलविल हाट में नैनीताल में स्थित
है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक 30-11-1976।
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1976

निदेश सं० नं० 110-आर०/अर्जन/76-77:—अतः मुझे
अमर सिंह बिसेन :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० मकान नं० 21, 37, है तथा जो शिवपुरी भोलानाथ बाग
तह० हल्दानी नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हल्दानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ध्यान सिंह डोंगरा (अन्तरक)
2. श्री रामसिंह, तिलोक सिंह (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी क्रेक
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी व्यक्तिगत
(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 12, 37, जो शिवपुरी भोलानाथ बाग तह०
हल्दानी नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30 नवम्बर, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणकुलम

कोचीन-16, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० एल० सी० सं० 89/76-77:—यतः मुझे, एस०

एन० चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किय जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
8—386जीआई/76

(1) श्री जी० पी० राव०, वसंत बिहार, पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली (श्री मुरली, आनन्द बिहार, चन्द्रा बाग अथन्यू, मैलवपुर, मद्रास को) (अन्तरक)

2. श्री मोहन, 'रजिता, तैकाड, तिरुवनन्दपुरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका के चन्गवास्सेरी विल्लेज में सब सं० 917/1, 922-बी०/3, 923/1, 2 की अन्तर्गत मकान से युक्त 10.37 सेन्ट्स भूमि।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणकुलम.

तारीख : 8 दिसम्बर, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० एल० सी० सं० 90/76-77:—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम तालुका में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 4 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जी० कमला भाई, वसंत बिहार, पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली (श्री आर० मुरली, आनंद बिहार, चन्द्रा बाग अबन्यू, मैलापुर, मद्रास से) (अन्तरक)
2. श्री रमण, 'रजिता', तैकाडु तिरुवनन्दपुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम, जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका के चन्नाषास्सेरी विल्लेज में सर्वे सं० 917/1, 922/बी/3, 923/1, 2 की अन्तर्गत मकान से युक्त 12.80 सेन्ट्स भूमि।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 8 दिसम्बर, 1976
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन

कोचीन-11, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० सं० 91/76-77:—यतः मुझे,
 एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
 से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम
 तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालै में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 4 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
 है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
 या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० ए० रघुनाथ राव, वसंत विहार, पूर्वी मार्ग,
 नई दिल्ली, (आर० मुरली, आनंद विहार, चन्द्रा भाग अवन्य
 मलापुर, मद्रास, से) (अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रिका कृष्णस्वामी, 'रजिता', तैकाड़,
 तिरुवनन्दपुरम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 बाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है ।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका, के चन्नाषास्सेरी
 विल्लेज में सर्वे सं० 917/1, 922/बी/3, 923/1, 2 की अन्त-
 र्गत मकान से युक्त 15.38 सेन्ट्स भूमि ।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8 दिसम्बर 1976
 मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन

कोचीन-11, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० सं० 92/76-77—यतः मुझे,
एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम तालुका में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालै में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4 अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आर० मुरली, आनन्द विहार, चन्द्रा बाग, अवन्यू, मैलापुर, मद्रास। (अन्तरक)

(2) श्री मुरुगन, एस०/ओ० श्री रत्न स्वामी, राजकोट बंगलो, तिरुवनन्दपुरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका के चन्नायारसेरी विलेज में सर्वे सं० 917/1, 922-बी०/3, 923/1, 2 की अन्तर्गत मकान से युक्त 17.10 सेन्ट्स भूमि।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8 दिसम्बर, 1976

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोचीन

कोचीन-11, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० सं० 93/76-77:—यतः मुझे,
एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम
तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चाले में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 4 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० रामचन्द्र राव, ग्रहूनोदया, वसवनमूडी,
बंगलूर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी, डी०/ओ० रत्नस्वामी, राजकोट
बंगलो, तैकाड़, तिरुवनन्दपुरम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका के चन्नावास्सेरी
विल्लेज में सर्वे० सं० 917/1, 922/बी/3, 923/1, 2 की अन्त-
र्गत मकान से युक्त 13.40 सेन्ट्स भूमि।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8 दिसम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० सं० 94/76-77:—यतः मुझे, एस० एन० चन्द्रचूडन नायर आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्दपुरम तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती एल० सखुभाइ, (रामचन्द्र राव से) अरुनोदया बसवनगूडी, बंगलूर । (अन्तरक)

(2) कुमारी प्रिया (मैनर) डोक्टर तिरुवारियं से, राजकोट बंगलो, तैकाड़, तिरुवनन्दपुरम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुवनन्दपुरम जिला, तिरुवनन्दपुरम तालुका के चन्नापास्सेरी जिल्लेज में सर्वे सं० /917/1, 922 बी/3, 923/1, 2 की अन्तर्गत मकान से युक्त 12.30 सेन्ट्स भूमि ।

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 8 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० पञ्चमनाया नैडू अरुनोदयम, बांकलूर-5 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० बालचन्द्रन (II) एस० विजय कुमार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कोचीन-16, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० एल० सी० 95/76-77—यतः मुझे, एस० एन०
चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वयनाड रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोषिकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9
अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

1 acre 35.20 cents of land with buildings in Sy. No. 6.1.7
Kalathil Kunnu Amsom desom in Kozhikode.

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 9 दिसम्बर, 1976
मोहर :

प्रारूप: आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 96/76-77—यतः मुझे, एस० एन०

चन्द्रचूडन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो अशोका रोड, एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन 21 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री टी० के० कुरियन (अन्तरक)

(2) श्री हमीद हाजि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Two storeyed building Nos. XLVII/678-1 & XLVII/678-2 standing on 14½ cents of land in Ashoka Road, Ernakulam vide schedule to Document No. 1393/76 dt. 21-4-1976 of Sub Registry, Ernakulam.

एस० एन० चन्द्रचूडन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10 दिसम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जमीदा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री (i) अरक्तपरमबिल बाबा (ii) नफीसा,
(iii) इविचिकुट्टि (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

कोचीन-16, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 97/76-77 यतः मुझे, एस० एन०
चन्द्रचूदन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो वडक्कूमकरा विल्लेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडक्कूमकरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 acres 17 cents of Coconut garden in Sy. No. 365/4 etc. of Vadakkumkara village.

एस० एन० चन्द्रचूदन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10 दिसम्बर, 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती इन्दिरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अरक्कपरमबिल बता (ii) नफीसा (iii) इबि-
चिकुट्टि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन 16, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 98/76-77—अतः सुझे, एस० एन०

चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो गडक्कूमलरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गडक्कूमकरा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Half share in 5 acres 17 cents of Coconut garden in Sy.
No. 369/2 of Vadakkumkara village as mentioned in docu-
ment No. 702 of Sub Registry, Vadakkumkara.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम अप्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एस० सामन्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० पी० पौलोस और परियाम्मा पौलोस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एल० सी० 99/76-77—यतः मुझे एस० एन०

चन्द्रशूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पौकर हाउस एक्स्टेंशन
रोड, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन 3-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान
प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अध्वान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

Building No. XLVII/481 standing on 11.140 cents of land
in Ernakulam Village Survey No. 63/1 vide schedule to
document No. 1104/76 dt. 3-4-1976.

एस० एन० चन्द्रशूटन नायर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक 10-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 364/ए०कु०रे० III/76-77/कल—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 83/3 है, तथा जो हाजरा रोड कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
10-9-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तुषारबाला सेन या तुषार सेन 43/3, हाजरा रोड,
कलकत्ता-16 ।

(अन्तरक)

2. श्री कार्जिरेण्ट रमन कुट्टीनायर
43/3 हाजरा रोड, कलकत्ता-16 ।

(अन्तरिती)

3. मै० टाटा कलकत्ता ट्रांसपोर्ट क० 43/3, हाजरा रोड,
कलकत्ता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 7 कट्ठा जमीन साथ उस पर बनाया हुआ वो तल्ला
मकान जो 43/3, हाजरा रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और जो सब
रजिस्ट्रार सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत वलिल सं० 797/1976 का
अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 8-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1976

सं० आर० ए०सी० 199/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० सरवे नं० 162 और 163 है, जो दायेरा जयो
स्तापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 7-4-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री मोहम्मद बोलतकान पिता नवाब नासीब भाखरजंग
धरले 10-7-630 बेगमबाजार हैदराबाद। (अन्तरक)कलाघर विकर सेक्शन ववापरेडू हौजीनंग सोसायटी बाकारम
हैदराबाद प्रेसीडेंट के तरफ से सीयेज मानरया 1-7-1973
बाकारम हैदराबाद। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जीराती सूकी जमीन का बाग सर्वे नं० 163 में जयोस्तामपुर-
हैदराबाद-वार्ड नं० 1 ब्लॉक नं० 6 म्युनिसिपल के हूद ने हैदराबाद
विस्तीन 6880 वर्ग यार्ड डाकोमेन्ट नं० 710/76—उप सब रजिस्ट्रार
कार्यालय में की गई है 7-4-76 के दिनके० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद)

दिनांक 6-12-1976

मोहर :

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 200/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-138/बी है, जो सागराज नगर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुपति में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री डाक्टर एस० रामचन्द्रराउ वजीपदार—प्रोफे
फिजीक्स नं० 6-2-138/बी त्यागराजनगर तिरुपति चीतूर।
(अन्तरक)

पररामी महादेव रेड्डी/पिता/पी०आर० देवराजुलु रेड्डी
चितूर वेनमपली पोस्ट बलाजा तालुक वेलूर नति अरकोट प्रस्तुत
रहते है 6-2-138/बी त्यागराजनगर तिरुपति।

(अन्तरिती)

श्री पी० आर० देवराजुलू नं० 6-2-138/बी त्यागराज-
नगर तिरुपति चीतूर-जिला
जिसके अधिभोग में संपत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर और जमीन विस्तीर्ण 704 वर्ग यार्ड—631 वर्ग मीटर
के समान घर ने 6-2-138/बी त्यागराजनगर-तिरुपति चीतूर-
जिला दस्तावेज नं० 447/76 रजिस्ट्री कार्यालय तिरुपति में
पेश दैनिक 15-4-1976।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 8-12-1976
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस
सहायक ग्रेड परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 25 दिसम्बर 1976

सं० एफ० 10/6/76ई०-1 (बी०)—भारत के राजपत्र में दिनांक 25 दिसम्बर, 1976 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा

अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, विल्ली, बीसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, धीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 28 जून, 1977 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से संबद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड—100 (इनमें 15 रिक्तियां अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए तथा 8 रिक्तियां अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (ii) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड—74 (इनमें 11 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 5 रिक्तियां अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- () भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं है—4 (इनमें 2 रिक्तियां अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-

पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा-6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—जो उम्मीदवार परीक्षा के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनसे उन सेवाओं/पदों की जानकारी देने को कहा जाएगा जिनके बारे में वे वरीयता क्रम में विचार किए जाने के इच्छुक हों ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक को देखते हुए उनकी नियुक्ति करते समय वरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट—डाक द्वारा आवेदन-पत्र और परीक्षा का विवरण मंगाने के लिए किया जाने वाला अनुरोध आयोग के कार्यालय में 14 फरवरी, 1977 तक पहुंच आना चाहिए। पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के कार्यालय से ये आवेदन-पत्र 21 फरवरी, 1977 तक मिल सकते हैं।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011, के पास 21 फरवरी, 1977 को या उससे पहले (21 फरवरी, 1977 से पहले की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 7 मार्च, 1977 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पालियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय

में जमा करना होगा ताकि वह “051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकवचन अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नीचे की परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है।

भूतपूर्व सैनिक का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेना सहित संघ की सशस्त्र सेना (अर्थात् संघ की थल, जल और वायु सेना) में किसी भी रैंक में (चाहे सामरिक हो या असामरिक) 21 फरवरी, 1977 के अभिप्रमाणन के बाद कम से कम छह मास की अवधि तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें असम, त्रिफेल्स, डिफेन्स सैक्यूरिटी कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू व कश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं है।

(i) जो निर्मुक्त हुआ हो बशर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति दुराचार या अक्षमता के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के आशय से रिजर्व में स्थानांतरित न हुआ हो; अथवा

(ii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानांतरण का पात्र बनने के लिए 21 फरवरी, 1977 को आवश्यकता सेवावधि को समाप्त करने में अभी छह मास से कम सेवा करनी हो।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उस से रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी

उप सचिव

संघ लोक सेवा आयोग।

उपाबन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 21 फरवरी 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता की आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है उनको जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में अंतिम तारीख से 15 दिन के अन्दर अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान से “अनापत्ति प्रमाण-पत्र” लेकर भेजना होगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 6)।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (iii) जहां लागू हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (ii)]।
- (iv) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (i) और 5]।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त पब (iii) और (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों।

जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर ग्रहता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता और जहां लागू हों वहां अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के होने के दावे तथा आयु/शुल्क में छूट के समर्थन में मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। परिणाम संभवतः जनवरी, 1978 में घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिए और परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

4. पैरा 3 की मध (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय" लिखना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

10—386 GI/76

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पत्रों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
 सुपुत्र/सुपुत्री* श्री—जो गांव/कस्बा*—
 जिला/मंडल*—राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*—
 के/की*निवासी हैं—
 जाति/जन-जाति* के/की* हैं
 जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन-जातियाँ आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन-जातियाँ आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964.*

संविधान (अनुसूचित जन-जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन-जातियाँ आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन-जातियाँ आदेश, 1970*.

2. श्री/श्रीमती/कुमारी *—

और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*—

जिला/मण्डल *— में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र *— में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर —

**पदनाम —

(कार्यालय की मोहर)

स्थान —

तारीख —

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आमतौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन ऑफ दि पिपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैकटर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी क्लैकटर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर। (प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू ऑफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिविजनल ऑफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट ऑफसर, लक्षद्वीप।

(iv) (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले लोअर डिवीजन क्लर्कों/अपर डिवीजन क्लर्कों को अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी —

से —

के कार्यालयों में — के पद पर नियमित आधार पर सेवा कर रहे/रही हैं।

हस्ताक्षर —

पदनाम —

तारीख —

(ख) नियम 6 (ग) (ii) अथवा 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रयोजन कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब डिविजन का सब डिविजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ग) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति श्रीलंका में भारत के उच्च आधुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(घ) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(ङ) नियम 6 (ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ है वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(च) नियम 6 (ग) (ix) अथवा (ग) (x) के अन्तर्गत आयुसीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट -----
के रैंक नं० ----- श्री -----

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र* में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----
पदनाम -----
तारीख -----

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(छ) नियम 6 (ग) (xi) या 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट -----
के रैंक ----- श्री -----
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर -----
पदनाम -----
तारीख -----

(ज) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण-स्वरूप, थल सेना/वायु सेना/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्यमुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं में से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्याशित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।

5. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 4 (iv) (ख), (ग), (ङ) में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(ii), 3(iii) और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

6. परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेने वाले उम्मीदवारों को आयु तथा शैक्षिक योग्यता के जो मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने हैं वे नीचे दिए गए हैं।

(i) **आयु का प्रमाण-पत्र**—आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हों। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिन्सिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंधित प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उसके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत होने जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(ii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र** :—उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्र भेजना चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसा प्रमाण-पत्र न भेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य की गुणवत्ता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

नोट :—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए शैक्षिक दृष्टि से पात्र हो जाते हैं किन्तु उन्हें उस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेर-बदल करें और न ही फेर-बदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने

आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी : किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के यहां विक्री के लिए मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिडोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) विक्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, एस० के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये सुविधाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्रादि, आवश्यक होने पर, उसको बबले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th November 1976

No. F. 6/76-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Trilok Nath Sansi, offg Stenographer as Officiating Court Master with effect from the forenoon of 1st December 1976, until further orders.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd September 1976

No. A-12019/6/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even number dated the 2nd March, 1976, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the C.S.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the C.S.S.S. cadre in the Commission's Office to officiate, on an *ad-hoc* basis, as Special Assistant to Chairman, for a further period of six months w.e.f. 1st Sept. 1976 or until further orders, whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

The 19th November 1976

No. P/1877-Admn.I.—In supersession of Union Public Service Commission Notification of even number dated the 27th October, 1976, Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, has been appointed to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of two months with effect from the forenoon of 13th October, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

The 1st December 1976

No. P/1884-Admn.I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri P. S. Mahadevan, an officer of the Indian Railway Traffic Service as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 1st December, 1976, until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.,
for Chairman,
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 22nd November 1976

No. A-32014/1/76-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 15th September 1976, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 1st November 1976 to 31st December 1976 or until further orders, whichever is earlier.

No. A-32014/2/76-Admn.III.—The President is pleased to revert Shri M. P. Jain, an officiating Section Officer of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to the substantive post of Selection Grade Officer in the Central Secretariat Stenographers' Service (Grade A of the C.S.S.) in the same cadre with effect from the forenoon of 15th November 1976.

The 25th November 1976

No. P/608-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri I. S. Rajagopalan, a permanent Private Secretary (Grade A of the Central Secretariat Stenographer's Service cadre of the Union Public Service Commission), to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the forenoon of the 1st November, 1976 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

The 29th November 1976

No. A-32014/2/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri A. Gopalakrishnan, a Selection Grade Officer of the C.S.S.S. (Grade A of the C.S.S.S.) cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission for a period from 15th November 1976 (F.N.) to 28th Feb. 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMN. REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th December 1976

No. A-20014/112/76-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Kanti Prakash an officer of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 8th November 1976 until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
For Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment.

New Delhi, the 6th December 1976

No. A-19036/16/76-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N. Patnaik, an officer of Orissa State Police as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation, with effect from the forenoon of 17th November 1976 until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, dated the 30th November, 1976.

No. P-VII-1/76-Estt.—The President is pleased to appoint on ad-hoc basis the following Asst. Commandants as Commandant in the C.R.P.F. in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each:—

Sl. No.	Name	Rank and office of handing over charge.	Date of handing over charge.	Rank and office of taking over charge.	Date of taking over charge
1.	Shri P. S. Kadian	Asstt. Comdt. G. C., CRPF, Mokamehghat.	4-9-76(A.N.)	Comdt. 29th Bn. CRPF.	6-9-76(F.N.)
2.	Shri Lalit Mohan	Asstt. Comdt. G.C. Signal CRPF, Ncemuch.	2-9-76(A.N.)	Comdt. 57th Bn. CRPF.	6-9-76(F.N.)
3.	Shri Sukhjinder Singh	Asstt. Comdt. 36th Bn., CRPF.	14-9-76(F.N.)	Comdt. 30th Bn. CRPF.	20-9-76(F.N.)
4.	Shri M. M. Prasad	Asstt. Comdt. 11th Bn. CRPF.	27-9-76(F.N.)	Comdt. 46th Bn. CRPF.	30-9-76(F.N.)

The 1st December 1976

No. O-II-1036/75-Estt.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) S. Aruna Devi, J.M.O., 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Hyderabad relinquished charge of her post on the afternoon of 11th November, 1976.

ther orders on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

N. RAMAMURTHY
Sr. Dy. General Manager.

The 8th December 1976

No. O-II-99/69-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the Central Reserve Police Force, Lt. Col. P. S. Jauhal (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 1st Signal Battalion, C.R.P.F. New Delhi on the afternoon of 30th September, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA
No. 5569-GE.I/111-76

New Delhi, the 8th December 1976

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 4th December 1976

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this Office Notification No. 6/1/74-RG(Ad.I), dated 23rd April, 1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar as Assistant Directors (Programme), in the office of the Registrar General, India, for a further period of six months with effect from 1st Sept. 1976 upto 28th Feb. 1977 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of S/Shri N. C. Sharma and R. N. Talwar will continue to be at New Delhi.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

S. V. P. NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 25th November 1976

No. 41/11/75-Estt.—On deputation from the A.P. Police, Shri M. Arunachal Rao, Dy. Supdt. of Police, Narsapur assumed charge of the office of the Crime Instructor (Dy. SP) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad, w.e.f. forenoon of 17th November 1976 in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus a special pay of Rs. 100/- p.m.

P. D. MALAVIYA
Deputy Director (Admn.).

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 30th November 1976

No. 1217/A.—In continuation of Notification No. 552/A, dated 7th July 1976, the *ad hoc* appointment of Shri D. P. Jambotkar as Purchase Officer is further extended until fur-

1. No. 4943-GE.I/B-21/PF, dated 7th October 1976.—Consequent upon his permanent absorption in Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore in public interest with effect from 4th May, 1976 (AN), Shri P. N. Bhalla, IAAS is deemed to have retired from Govt. Service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

2. No. 4995-GE.I/P-31/PF, dated 12th October 1976.—The lien of Shri Suraj Prakash on a permanent post in the IAAS has been terminated with effect from 7th July 1975 in term of F. R. 14-A(d) consequent on his confirmation in the Indian Administrative Service.

3. No. 5049-GE.I/S-34/PF.IV, dated 13th October 1976.—On return from leave from 16th August 1976 to 31st August 1976 with permission to prefix 2nd Saturday and Sunday on 14th August 1976 and 15th August 1976, Shri R. C. Suri IAAS has taken over as Accountant General (I), Uttar Pradesh, Allahabad on 13th September 1976 (FN).

He relieved Shri Ved Prakash, IAAS of additional charge.

4. No. 5050-GE.I/M-29/PF.II, dated 13th October 1976.—Shri C. P. Mittal, IAAS has taken over as officer on special duty (Audit, State and Central Taxes) in the office of the Accountant General (I), Uttar Pradesh, Allahabad with effect from 14th September 1976 (FN).

Shri C. P. Mittal is appointed to officiate in level II of Accountants General grade with effect from that date until further orders.

5. No. 5051-GE.I/K-62/PF, dated 13th October 1976.—Shri V. N. Kalla IAAS has taken over as Dy. Accountant General Office of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur with effect from 17th September 1976 (FN).

Shri V. N. Kalla has been appointed to officiate in the Senior Time Scale (Rs. 1100—1600) with effect from the same date until further orders.

6. No. 5181-GE.I/R-33/PF.II, dated 27th October 1976.—Shri R. Rajagopalan, IAAS has taken over as Chief Auditor Northeast Frontier Railway, Maligaon with effect from 8th October, 1976.

Shri R. Rajagopalan has been appointed to officiate in the Accountants General Grade (level II) with effect from the same date until further orders.

7. No. 5182-GE.I/P-34, dated 27th October 1976.—Shri Shailendra Pandey IAAS has taken over as Dy. Accountant General, Office of the Accountant General (I) Bihar, Ranchi on 5th October 1976.

Shri Shailendra Pandey has been appointed to officiate in the Senior Time Scale of IAAS with effect from the same date until further orders.

8. No. 5185-GE.I/S-182/PF, dated 20th October 1976.—On the results of IAS etc. Examination 1975, Shri Swaranjit Singh, IAAS Probationer, has been selected for appointment to Indian Police Service and relieved from the Indian Audit and Accounts Department with effect from 31st July, 1976 (AN).

9. No. 5295-GE.I/B-52/PF.II, dated 27th October 1976.—Kumari K. V. Bala Devi has been permitted to resign from IAAS with effect from 7th July 1976 to get herself absorbed in the State Government of Andhra Pradesh.

10. No. 5315-GE.I/89-72, dated 1st November 1976.—The following IAAS officers have been confirmed in the Junior Time Scale of IAAS with effect from the date shown against each :

1. Shri C. Veeravadhani—21st July 1974.
2. Shri James Joseph—16th July 1974 (AN).
3. Smt. Mohua Chatterji—4th December 1974.
4. Shri S. P. Singh—16th July 1974 (AN).
5. Shri N. Rajasekhar Rayalu—21st July 1974.
6. Shri Vijay Ramachandran—16th July 1974.
7. Shri K. P. L. Rao—20th July 1974 (AN).
8. Shrimati Sushma Rani Sharma—23th November 1974
9. Shri B. K. Chattopadhyay—16th July 1974.

10. Shri Raghubir Singh—1st December 1974.

11. Shri K. V. Prahladan—17th May 1975.

12. Shri B. S. Gill—1st December 1974.

13. Shri S. K. F. Kujur—1st December 1974.

11. No. 5522-GE.I/V-9/PF.III, dated 12th November 1976.—Shri D. H. Veeraiiah, IAAS has retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st October 1976 (AN).

M. M. B. ANNAVI
Asstt. Compt. & Auditor General (Personnel).

New Delhi, the 18th December 1976

No. 1115-CA.1/19-75.—On his attaining the age of superannuation Shri R. Natarajan, an Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-II, Tamil Nadu retired from service with effect from 31st August 1976 (Afternoon).

S. D. BHATTACHARYA
Deputy Director (Commercial).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 24th November 1976

No. Admn. I/5-4/Promotion/76-77/O.O.978/2381.—The Accountant General, Central Revenues, hereby appoints Shri D. R. Malhotra II, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f. 20th November 1976 (FN) until further orders.

The 4th December, 1976

No. Admn. I/5-5/Promotion/76-77/O.O.-928/2219—Consequent on their attaining the age of superannuation, the following permanent Accounts Officers (Temp. Asstt. Accountants General), retired from Government Service w.e.f. the dates shown against them.

Name	Designation	Date of retirement.	Date of Birth.
1. Sh. Amar Singh Gupta	Permanent Accounts Officer (Temp. Asstt. Acctt. General)	31-8-1976(A.N.)	1-9-1918
2. Sh. D. S. Bist	Do.	31-10-1976(A.N.)	1-11-1918

M. L. SOBTI,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES DGO F HQrs. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 27th November, 1976.

No. 87/76/G—On attaining the age of Superannuation, the undermentioned Assistant Staff Officers were transferred to the pension establishment with effect from the dates shown against each:—

Sl. No.	Name	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Shri Patit Paban Jana	Pt. A.S.O.	31-12-74(A.N.)	
2.	Shri Manoranjan Bhattacharjee	Pt. A.S.O.	1-2-70	
3.	Shri Samarendra Nath Mitra	Pt. A.S.O.	27-7-72	
4.	Shri S. Sivasankaran	Pt. A.S.O.	31-1-76(A.N.)	

1	2	3	4	5
5.	Shri Annada Mohan Ghosh	Pt. A.S.O.	1-3-76	
6.	Shri Manindra Nath Moitra	Pt. A.S.O.	10-5-70	
7.	Shri Silananda Bruhmachari	Pt. A.S.O.	31-12-74(A.N.)	
8.	Shri KAV LINGAM	Pt. A.S.O.	15-5-73	
9.	Shri Pulin Behari Ghosh	Pt. A.S.O.	5-10-72	
10.	Shri Amulya Kumar Ghosh Chaudhuri	Pt. A.S.O.	1-10-71	
11.	Shri Rajyeswar Mitra	Pt. A.S.O.	31-12-74(A.N.)	
12.	Shri Provash Kumar Mukherjee	Pt. A.S.O.	1-7-74	
13.	Shri Suresh Ch. Banerjee	Pt. A.S.O.	1-9-70	
14.	Shri Subodh Ch. Choudhury	Pt. A.S.O.	1-1-74	
15.	Shri Sunil Kumar Dutta	Pt. A.S.O.	30-11-74(A.N.)	
16.	Shri Bhabani Prasad Dutta	Pt. A.S.O.	1-2-73	
17.	Shri Subodh Kumar Mitter	Pt. A.S.O.	1-11-73	
18.	Smt. Atreyee Majumdar	Pt. A.S.O.	27-12-72	
19.	Shri Jiban Krishna Banerjee	Pt. A.S.O.	1-2-74	
20.	Shri Bibhutilal Banerjee	Pt. Asstt. Offg. A.S.O.	1-8-69	
21.	Shri Narendra Mohan Ganguly	Pt. A.S.O.	1-1-74	
22.	Shri Sital Ch. Majumdar	Pt. A.S.O.	1-8-73	
23.	Shri Anileswar Mukherjee	Pt. A.S.O.	1-1-74	
24.	Shri Hemtosh Kumar Nath	Pt. A.S.O.	31-7-75(A.N.)	
25.	Shri Vaidyanathan Venkiteswaran	Pt. A.S.O.	30-11-74	
26.	Shri Sadhana Bihari Sarkar	Pt. A.S.O.	13-8-74(Expired)	
27.	Shri Ganesh Lal Ganguly	Pt. ASSTT./Offg. A.S.O.	1-8-73	
28.	Shri Prakesh Ch. Dutta	Pt. A.S.O.	23-11-68	
29.	Shri Sudhir Ch. Bose	Pmt. Asstt./Ty. A.S.O.	1-8-68	
30.	Shri Parimal Ch. Bose (OEF)	Pt. Asstt./Offg. A.S.O.	1-9-75	
31.	Shri Adhir Kumar Bose	Ty. Asstt./Offg. A.S.O.	14-10-75(Expired)	
32.	Shri Ajit Kumar Deb	Pt. Asstt./Ty. A.S.O.	31-10-75(A.N.)	
33.	Shri Manoranjan Roy	Pt. Asstt./Offg. ASO	31-8-74(A.N.)	
34.	Shri Jogesh Ch. Roy	Pt. Asstt./A.S.O.	30.9.75(A.N.)	
35.	Shri Mohini Mohan Kar	Pt. Asstt./Offg. ASO	1-12-70	
36.	Shri Radha Raman Chatterjee	Pt. ASSTT./Offg. ASO	1-10-70	
37.	Shri G. P. Majumdar,	Pt. A.S.O.	1-12-75	
38.	Shri Rabindra Nath Hazra	Pt. Asstt./Offg. ASO	31-3-76(A.N.)	
39.	Shri P. C. Nath	Pt. A.S.O.	30-6-76(A.N.)	

D. P. CHAKRAVARTI,
Asstt. Director General (ADMIN II)
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700016, the 20th November 1976

No. 84/76/G.—On attaining the age of superannuation, the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

- (1) Shri M. R. Mahadevan, offg T.S.O. (Permt. Staff Asstt.)—31st July 1976 (AN).
- (2) Shri E. N. P. Nair, offg. T.S.O. (Permt. Staff Asstt.)—31st Aug. 1976 (AN).
- (3) Shri N. S. D. Shenoy, Offg. T.S.O. (Permt. Staff Asstt.)—31st Aug 1976 (AN).

The 1st December, 1976

No. 88/G/76.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. S. Sarmah, offg Deputy Manager (Subst. & Permt. Storeholder) retired from service w.e.f. 31st Oct 1976/AN.

11—386GI/76

No. 89/76/G.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. N. Roy, offg Deputy Manager (Subst. & Permt. Asstt. Manager) from I.O.F.S. with effect from 12th July, 1976 (FN).

No. 90/76/G.—Shri S. K. Nath, offg Assistant Manager (Subst. & permt Store Holders), retired from service with effect from 24th July, 1976 (F.N.) in terms of notice under Art. 459 (h), C.S.R.

The 3rd December 1976

No. 92/76/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri V. H. Joshi, offg Deputy Manager (Subst. & permt. Asstt. Manager), retired from service with effect from 31st July 1976 (AN).

No. 93/76/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri P. J. Kardale, offg Asstt Manager (Subst. & permt. Foreman), retired from service with effect from 31st August 1976 (A/N).

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 4th December 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/713/63-Admn(G)/7658.—The President is pleased to appoint Shri N. A. Kohly permanent in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office to officiate in Grade I of that service for a further period from 1st October 1976 to 31st December 1976, or till the vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. A. Kohly as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

A. S. GILL

Chief Controller of Imports and Exports.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 27th November 1976

Reference Notification No. 13-DCH/76, dated 19th
October 1976

No. 23-DCH/76.—The President is pleased to allow Shri Daulat Ram a permanent Officer of Grade I of CSS to continue to officiate in Selection Grade of the service with effect from 1st November, 1976 to 31st January, 1977 or till a vacancy is available, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to allow Shri Daulat Ram to continue as Director since redesignated as Joint Development Commissioner, in the office of Development Commissioner for Handlooms, New Delhi, for the aforesaid period.

(Km.) R. SAHNI

Deputy Development Commissioner (Handlooms).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 4th December 1976

No. E-11/(7).—In this Department's Notification No. E-11/(7), dated the 11th July 1969, add the following namely :

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

1. Add "PERMAFLO—5 for carrying out field trials at specified locations up to 31st December 1977" after the entry "PERMAFLO—3".

Under Class 6—Division 2

2. Add "GECORD" after the entry "FUSE IGNITERS".

I. N. MURTY

Controller of Explosives.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION, A-1)

New Delhi-1, the 1st December 1976

No. A-1/1(1073).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri D. R. Mane, Supdt. in the

office of the Directorate of Supplies (Tex) Bombay to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate at Bombay with effect from the forenoon of 7th October, 1976 and until further orders.

The appointment of Shri D. R. Mane as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

ADMN. SEC. A-6

The 3rd December 1976

No. A6/247(339)/61-II.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Basu, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of IIS Group 'A' w.e.f. the forenoon of the 27th October, 1976 until further orders.

Shri Basu relinquished charge of the post of AIO (E) on 4th September 1976 and assumed charge of the post of IO (E) in the office of Director of Inspection Calcutta on the forenoon of 27th October 1976.

K. L. KOHLI

Dy. Director of Administration

for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th November 1976

No. 50/66(MMH)/19B.—Shri Mohammad Murtaz Hassan has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on the forenoon of 16th September, 1976, in an officiating capacity on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited.

The 1st December 1976

No. 94/59(SK)/19A.—The President is pleased to appoint Shri S. Kayal to the post of Senior Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th October 1976, until further orders.

No. 40/59/C/19A.—Shri K. Rangachari, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 11th October 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN

Director General.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-700016, the 25th October 1976

No. 4-131/76/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Shri Pearson Hungyo to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at North East Region of this Survey at Shillong, on a temporary basis with effect from the forenoon of 28th September, 1976, until further orders.

N. R. AICH

Administrative Officer.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 30th November 1976

temporary post in a revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 1st November, 1976 until further orders.

No. E1-5/64/724-SOS.—Shri J. R. Grover is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a

K. L. KHOSLA
Major-General.
Surveyor General of India

Dehra Dun, the 4th December 1976

No. C-5167/718-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer (Group 'B' posts) in the Survey of India on *ad-hoc* basis with effect from the dates as stated against each, are appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 1st December, 1976.

Name & Designation	Date of promotion as Establishment and Accounts Officer on <i>ad-hoc</i> basis vide Notification No.	Office to which posted at present.
1. Shri H. D. Chakraborty, Office Superintendent in the Scale of Rs. 700-30-760-35-900(Offg.)	25-4-75(F.N.) (Notification No. C-4966/718-A dated 2-6-75).	Survey Training Institute (CST&NP), Hyderabad.
2. Shri S. D. Kararia, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.).	1-12-75 (F.N.) (Notification No. C-5030/718-A, dt. 9-12-75).	Map Publication Directorate, Dehra Dun.
3. Shri R. N. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.).	1-12-75 (F.N.), (Notification No. C-5031/718-A, dated 9-12-75).	Geodetic and Research Branch, Dehra Dun.
4. Shri B. N. Naithani, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.).	29-4-75 (F.N.) (Notification No. C-4967/718-A, dated 2-6-75).	Northern Circle, Dehra Dun.

K. L. KHOSLA,
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 7th December 1976

ment service as Archivist (General) in the National Archives of India on the afternoon of the 31st October, 1976.

No. F. 20(B-3)3/61-A.1.—Consequent on her attaining the age of superannuation Km. Arati Roy, retired from Govern-

S. N. PRASAD
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 3rd December 1976

No. 4(4)/76-SI(Vol. II) :—The Director General, All India Radio hereby appoints the undermentioned Transmission Executives as Programme Executives in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from the dates shown against each until further orders:—

Sl. No.	Name	AIR Station where Posted as a Transmission Executive.	Date of appointment as a Programme Executive and Station of posting.
1	2	3	4
1.	Shri N. R. Nair	AIR, Pondicherry	25-10-76—AIR, Trichur.
2.	Shri M. N. Biswas	CBS, Calcutta	27-10-76—AIR, Kohima.
3.	Shri S. C. Mathur	AIR, Mathura	28-10-76—AIR, Gorakhpur.
4.	Shri N. C. Narasimhacharyulu	AIR, Vijayawada	29-10-76—AIR, Kohima.
5.	Shri M. K. Phadke	Doordarshan Kendra, Bombay.	3-11-76—AIR, Ratnagiri.
6.	Kum. D. E. Meherjee	CSU, AIR, Bombay.	4-11-76—AIR, Bombay
7.	Shri R. P. Sahu	AIR, Allahabad.	25-10-76—AIR, Raipur.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 6th December 1976

No. A-19012/58/76-SII.—Director General Doordarshan has permitted Shri R. P. Saxena, a permanent Accountant of the Directorate General, All India Radio and officiating as Senior Administrative Officer in Doordarshan Kendra Lucknow to retire from Government service with effect from 30th September 1976 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

R. K. KHATTAR
Dy. Director of Admn.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th November 1976

No. A-22012/44/76-CHS.I.—Consequent on his transfer and after availing of earned leave for 41 days w.e.f. the 2nd August, 1976 to 11th September, 1976 with permission to suffix Sunday, the 12th September, 1976, Dr. B. R. Sarkar, an officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. assumed charge of the post of Assistant Serologist & Chemical Examiner to the Govt. of India, Calcutta in the Serologist & Chemical Examiner to Govt. of India, Calcutta on the forenoon of the 13th September, 1976.

K. VENUGOPAL
Dy. Director Administration (CHS).

New Delhi, the 6th December 1976

No. A-120/23/4/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Bawa, Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Research Officer in the same Bureau with effect from the forenoon of the 9th November, 1976 on an *ad hoc* basis and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Research Officer, Shri P. S. Bawa relinquished charge of the post of Health Education Officer (Field Study & Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the forenoon of the 9th November, 1976.

No. A-12024/5/76(CHEB)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri U. S. Mishra, Assistant Editor (Radio & Television), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, to the post of Publicity Officer (Audio-Visual Aids) in the same Bureau, with effect from the 24th September, 1976 on an *ad hoc* basis and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Publicity Officer (Audiovisual Aids), Shri U. S. Mishra relinquished charge of the post of Assistant Editor (Radio & Television), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, on the forenoon of the 24th September, 1976.

No. A-19020/43/76(RAK)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Usha Malik to the post of Senior Tutor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing New Delhi with effect from the forenoon of the 5th October, 1976 on *ad hoc* basis and until further orders.

2. Consequent on her appointment to the post of Senior Tutor, Smt. Usha Malik relinquished charge of the post of Tutor at the same Institute with effect from the forenoon of 5th October, 1976.

No. A-31013/12/73(WH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Kelkar to the post of Junior Biochemist at the Willingdon Hospital, New Delhi, in a substantive capacity, with effect from the 1st March, 1972.

The 8th December 1976

No. A-12025/10/76-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. K. Sudhir to the

post of Junior Analyst at the Food Research & Standardisation Laboratory, Ghaziabad, with effect from the forenoon of 26th November 1976, in a temporary capacity, and until further orders.

The 9th December 1976

No. A-12022/1/76(CSSS)/Admn.I.—The President is pleased to appoint S/Shri S. K. Chaudhary and Jai Kumar, Stenographers Grade II of CSSS to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of the CSSS) on an *ad hoc* basis with effect from the 14th October, 1976 and the 22nd November, 1976 respectively and until further orders in the Directorate General of Health Services, New Delhi.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 22nd November 1976

No. NAPP/18/41/75/Adm/6862.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri T. Harishchandra a temporary Supervisor (Civil), Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer
for Director, P.P.E.D.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 18th November 1976

No. RRC/PF/64/74-14702.—Consequent on the appointment of Shri Ayyaswamy Iyer Subramanian as officiating Assistant Administrative Officer in this Centre, Shri Porunthakkam Venugopalachari Sundararajan who was appointed as Assistant Administrative Officer on *ad hoc* basis with effect from 9th March, 1976 *vide* Notification No. RRC-II-1(26)/72-4129, dated April 15, 1976 stands reverted as Assistant with effect from the forenoon of July 8, 1976.

R. PARTHASARATHY
Chief Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 16th November 1976

No. 10/5(28)/76(CED(H)) :—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri SS Rao, Foreman (Elec) in the Civil Engineering Division of the Department of Space as Engineer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 1, 1976 and until further orders.

P I U NAMBIAR, Administrative Officer II.
for Chief Engineer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES
PERSONNEL & GENERAL ADMINISTRATION

Sriharikota-524 124, the 11th November 1976

No. SCF/P&GA/E-IV./1.72.—S/Shri V. Gopal Rao and B. Sugumar are appointed as Engineers SB in SLEX of SHAR Centre with effect from the forenoon of 25.10.1976 in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in an officiating capacity.

No. SCF/P&GA/E-IV/1.72 :—Kum Usha Doss is appointed as Engineer SB in SLEX of SHAR Centre with effect from the forenoon of 5-11-1976 in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in an officiating capacity.

(Sd.) ILLEGIBLE
Controller
SHAR Centre
for Director, VSSC

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd December 1976

No. E(1)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Sixty days with effect from the forenoon of 15.11.76 to 13.1.77.

Shri Raja, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.

No. E(1)04304.—The Director General of observatories hereby appoints Shri R. Chaudhury, Professional Assistant, Office of the Director, Instrument, Poona, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 15-11-76 to 13-1-1977.

Shri Chaudhury, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director (Instruments), Poona.

No. E(1)04318.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixty days with effect from the forenoon of 15-11-76 to 13-1-77.

Shri Ganesan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)05773.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. M. Saxena, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 16-11-76 to 14-1-77.

Shri Saxena, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

The 7th December 1976

No. E(1)05481.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Bhan, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Sixty days with effect from the forenoon of 25-11-76 to 23-1-77.

Shri Bhan remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Prof. Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Sixty days with effect from the forenoon of 16-11-76 to 14-1-77.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eighty-nine days with effect from the forenoon of 8-11-1976 to 4-2-77.

Shri Onkari Prasad, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 3rd December 1976

No. A.32013/6/75-E.C.—The President is pleased to appoint Shri S. G. Prasad, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Patna to the grade of Communication Officer on a regular basis with effect from the 28th Oct., 1976 (FN) and until further orders and to post him in the Office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

No. A.32013/18/75-E.C.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Senior Technical Officer, Directorate General of Civil Aviation (Headquarters) to officiate in the grade of Assistant Director of Communication on a regular basis with effect from the 7th July, 1976, (FN) and until further orders and to post him in the same office.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALYA

Dehra Dun, the 30th November 1976

No. 15/109/76-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following Research Assistant Grade I to the post of Research Officer from the dates mentioned against each on ad-hoc basis until further orders :—

1. Shri D. C. Chaudhari—29-9-1976 (F.N.)
2. Shri A. P. Kurel—29-9-1976 (F.N.).

No. 1669/66-Ests.I.—Shri S. P. Misra, Librarian, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been retired from service with effect from the afternoon of 25-10-1976, under F.R. 56(J).

No. 16/155/67-Ests.I.—Consequent upon his appointment as Deputy Director (NEO) in the Directorate of Oilseeds Development, Hyderabad. Shri S. P. Juyal was relieved of his duties as Research Officer at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun on the afternoon of 3rd November, 1976.

P. R. K. BHATNAGAR,
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMES

Kanpur, the 24th November 1976

No. 122/76.—In pursuance of this office Estt. Order No. I/A/229/76, dated 10-8-76 issued under endorsement C. No. II-166-ET/76/36538, dated 10-8-76, Sri Mahesh Narain Mathur, Inspector (SG) Central Excise on his promotion to the grade of Superintendent; Central Excise, Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, took over the charge of the office of Superintendent (Audit-II) Central Excise, Group 'B' Kanpur in the forenoon of 11-10-76 relieving Sri B. R. Nanda, Supdt. (Audit) Central Excise, Kanpur of the additional charge.

The 26th November 1976

No. 121/76.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide this office Estt. Order No. I/A/229/76, dated 10-8-76 issued under endorsement C. No. II-166-ET/76/36538, dated 10-8-76, Sri D. N. Bhatia, Inspector (SG) Central Excise assumed the charge of the office of Superintendent (Preventive) Central Excise, Group 'B' Kanpur in the forenoon of 11-10-76 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

K. S. DILIPSINHJI, Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

New Delhi-110024, the 4th December 1976

No. 2—Shri B. S. Dard, Deputy Financial Adviser and Assistant Chief Accounts Officer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch (M.P.) is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-6-1976 with monetary benefit with effect from 1-6-1976.

K. P. ANAND
Chief Controller of Factories

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 6th December 1976

No. A-19012/604/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri V. Achuthan Kutty, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-9-1976 (FN) until further orders.

Shri Achuthan Kutty assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Andaman Investigation Sub-Division No. III, Port Blair under Investigation Circle No. I, Faridabad with effect from the above date and time.

The 7th December 1976

No. A-19012/581/76-Adn.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri C. T. Betgeri, to the post of Assistant Research Officer (Engineering Civil) at the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of the 10th November, 1976.

Shri C. T. Betgeri will be on probation for a period of two years with effect from the same date and time viz. 10-11-1976.

JASWANT SINGH, Under Secy.
for Chairman, CWC

MINISTRY OF RAILWAYS
RESEARCH, DESIGNS AND STANDARDS
ORGANISATION

Lucknow-11, the 29th November 1976

No. EII/ES/CFM/O/Mech.—Shri N. Venkataraman is confirm in Class-II Service against a permanent post of Assistant Research Engineer in the Mechanical Engineering Department of the Research Designs and Standards Organisation, Lucknow with effect from 5-4-76.

G. N. BHATTACHARYA, Dir. Gnl.

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 6th December 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—(1) Sri R. Srinivasa Iyengar, Officiating Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell (Class II) has been promoted to officiate in senior scale as District Controller of Stores/Purchase/Fur. from 4-11-1976.

(2) Sri J. Natarajan, Office Superintendent (Class III) has been promoted to officiate in Class II as Assistant Controller of Stores/Purchase/Shell on ad-hoc basis from 4-11-1976.

S. VENKATARAMAN,
Dy. Chief Personnel Officer
for General Manager

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
DEPARTMENT OF REHABILITATION
OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGAISATION

Jeypore-764 003, the 30th November 1976

No. P.2/97.—In continuation of this office notification No. P.2/97, dated 28th April, 1976, the appointment of Shri Rajaram Balaiya, as Assistant Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Rehabilitation Reclamation Organisation, posted at Shahpura, District Betul (M.P.) on ad hoc basis is extended upto 31-1-1977 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

N. SATHYAMURTHY,
Operational Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Laitryngrew Coal Industry and Traders Private Limited*

Shillong, the 27th November 1976

No. 1010/560/3038.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Laitryngrew Coal Industry and Traders Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. MANDAL
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Mahipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Misoram,
Shillong

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Damji—Jethabhai & Brothers Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 29th November 1976

No. 850/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Damji—Jethabhai Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. K. GATHA,
Registrar of Companies
Gujarat.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Girdhar Coffee India Private Limited*

Hyderabad, the 30th November 1976

No. 1244/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Girdhar Coffee India Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh : Hyderabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Radhakishan Dalmia & Sons Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 1st December 1976

No. 8547/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Radhakishan Dalmia & Sons Pvt. Ltd., unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Delhi Kashmir Goods Transport Co. Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 3rd December 1976

No. 28/1/21799.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Delhi Kashmir Goods Transport Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Morolia Corporation Private Limited*

Kanpur, the 6th December 1976

No. 15260/2828/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Morolia Corporation Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies
Kanpur, U.P.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Samson Industries Private Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 22616/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Girdhar Coffee India Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Hasanpur Sugar Mills Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 28703/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Hasanpur Sugar Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Aira Sugar Mills Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 28705/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Aira Sugar Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Seohara Sugar Mills Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 28702/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Seohara Sugar Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Sidhwalia Sugar Mills Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 28704/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Sidhwalia Sugar Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Modern Synthetic Fabrics Pvt. Ltd.*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 27588/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Modern Synthetic Fabrics Pvt. Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Central Concerns Private Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 16871/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the The Central Concern Private Ltd. has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Modern Display Private Limited*

Calcutta, the 8th December 1976

No. 15018/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Modern Display Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies.
West Bengal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1976

Ref. No. P.R. No. 495 Acq. 23-886/7-4/75-76.—
Whereas, I, P. N. Mittal,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 192/2 situated at Kabilpore, Near GEB sub-station, Navsari,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 5-4-1976
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jashuben W/o of Ramanlal Dahyabhai Mistri, Power of Attorney Holder; Ramanlal Dahyabhai Mistry, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Saifuddin Hasanali Lokhandwala; Mota Bazar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 195/2, paiki and admeasuring 29682 sq. ft. situated at Kabilpore, nr. GEB Sub-stn. Navsari as described in the sale-deed registered under registration No. 425 in the month of April, 1976 by the registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1976

Ref. No. P. R. No. 496 Acq. 23/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouje Karamsad S. No. 395, Plots No. 4 & 5 situated at Vithal Udyognagar, Tal. Anand, Dist. Kaira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—386GI/76

(1) M/s. Eastern Engg. Co. through its partners : Smt. Dhirajben W/o Shri Chandrakant Himabhai Amin, 49, Circular Road, Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Manjulaben W/o Arvindbhai Chunilal Patel; 404, Hirmaid Apartment, 131, August Kranti Marg, Bombay-400036.

(ii) Shardaben W/o Harshadbhai Jashbhai Patel; 'Tirupathi' Behind Kala Kendra, Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 355, Plot No. 4 and 5 Village Karamsad Tal. Anand, Dist. Kaira, admeasuring 4046.85 sq. mt. i.e. 43560 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 638 in the month of April, 1976 by the registering Officer, Anand.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-12-76.
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1976

Ref. No. P.R. No. 497 Acq. 23-825/7-4/76-77.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 644 situated at Maharani Shantadevi Road, Near Jankalyan Society, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 3-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Ishverbhai Naranbhai Patel; Darga Road, Navsari.
(ii) Smt. Maniben Dahyabhai Patel; Maharani Shantadevi Road, Navsari.
- (2) (i) Shri Maganbhai Ambabhai Patel;
(ii) Shri Bachubhai Kunverji Patel;
(iii) Shri Ramniklal Virjibhai Patel;
(iv) Shri Devshibhai Raghubhai Patel; All at Gandhinagar Society, Navsari.
(v) Shri Raghavjibhai Muljibhai Patel; Jalalpare Road, Navsari.
(vi) Shri Maganbhai Madhavjibhai Patel; Anjan.
(vii) Shri Govindbhai Ravjibhai Patel; At Vyara, Dist. Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 644, paiki admeasuring 33 gunthas i.e. 36370 sq. ft. situated near Jankalyan Society, Maharani Shantadevi Road, Navsari as described in the sale-deed registered under registration No. 522 in the month of May, 1976 by registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date : 6-12-1976,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1976

Ref. No. P.R. No. 498 Acq. 23-845/19-7/76-77.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 6 (Part) M. No. 60(P) of Athwa village on main Dumas-Surat Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 21-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Atul Shantilal, Khandwala, Khand Sheri, Surat (Now at America);
- (ii) Suketu Atulkumar Khandwala (minor), Power of Attorney Holder of both (i) & (ii); Shri Shantilal Rangildas Khandwala; Khandwala Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferors)

- (2) (i) Shri Natverlal Krushnaji Shah;
- (ii) Shri Amar Natverlal Shah;
- (iii) Shri Atul Natverlal Shah;

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 6, Hissa 2 of Athwa village and situated at Ward No. 13, Nondh No. 60, Plot No. 4, admeasuring 817 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 2102 in the month of May, 1976 by the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 6-12-1976.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th December 1976

Ref. No. ARI/1617-22/Apr.-76.—Whereas, I, V. R. Amin, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1/665 of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Altamount Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the officer at Bombay on 26-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nandlal Mukundlal 2. Girdharlal Mukundlal, 3. Indirabai Gopallal, 4. Shrikant Gopallal, 5. Manoharlal Mukundlal 6. Krishnakant Gopallal.

(Transferor)

- (2) Nandan Nikunj Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members of Nandan Nikunj Co. op. Hsg. Soc. Ltd.

1. Shri S. D. Vaid. 2. Shri S. A. Zaveri. 3. Shri Yusuf Abedali Suterwalla & Shri Noman Abedali Suterwalla. 4. Shri Haitm Abedali Suterwalla & Shri Noman Abedali Suterwalla. 5. Shri Labharam Matwalchand Grover. 6. Shri Anil Anandrai Mehta. 7. Shri Govindram Kharam Luthria and (Late) Shri K. B. Luthria. 8. Shri Kanhaiyalal Kharam Luthria and Smt. Bropati Kharam. 9. Shri Dipchand Tejomal Golani. 10. Shri Shankerlal Dipchand Golani. 11. Kumari Bharati M. Pittie by her father natural guardian Shri Manoharlal M. Pittie. 12. Smt. Chandrakant M. Pittie. 13. Shri Shrikant G. Pittie. 14. Shri Krishnakant G. Pittie. 15. Shri Nandlal M. Pittie. 16. Shri Shridhar N. Pittie. 17. M/s. Mukundlal Bansilal & Sons. 18. Nandanikunj Co-op. H. Soc.'s Office. 19. Smt. Indirabai G. Pittie. 20. Smt. Veena G. Pittie. 21. Shri Manoharlal M. Pittie. 22. Shri Shrikishan Lalchand Agarwal. 23. Shri Labharam Matwalchand Grover. 24. Shri Anil A. Mehta. 25. Shri G. K. Luthria. 26. Shri Ramprasad N. Vyas. 27. Shri Laxminarain Ramdeo Boobna.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of land bearing Plot No. B of Pension and Tax Tenure together with the building constructed thereon by the Confirming Parties known as "SHRI KUNJ" containing by admeasurement 1791 square yards equivalent to 1497.50 square metres or thereabouts being a part of a larger piece of land bearing Cadestral Survey No. 1/665 of the Malabar and Cumballa Hill Division bearing Collector's New No. part of A/624, New Survey No. part of 2A/7074 N.S. Sheet No. 224-E-225 and 665, situate at Altamount Road, being Municipal D. Ward No. 3441(1) Street No. 3 Altamount Road without the Fort of Bombay and bounded as follows : on or towards the East of the said plot is a plot bearing No. "C" formerly belonging to B. T. Barodawalla and others; On or towards the North of the said plot is partly the property known as Washinton House and partly the property owned by Shah Construction Co. Ltd. On or towards the South of the said plot is the common approach road, On or towards the West of the plot is Plot "A" owned by Mr. Camadia.

V. R. AMIN,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acqn. Range-I, Bombay

Date : 8th Dec. 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kondaji Hasubhai Bagwan, House No. 18, Shukrawar Peth, Sholapur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Chandran L. Bandgiri,
(2) Shri Ravindra N. Mutakari, 508, Shukrawar Peth, Sholapur.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 6th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.A.5/Sept '76/Sholapur/313 of 76-77.—Whereas, I, V. S. GAITONDE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 149, Sholapur, situated at Sholapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sholapur on 18-9-76

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. No. 149 situated at Sholapur, Akkalkot Road, Sholapur. Area 9 acres, 32 Gunthas.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1374 dated 18-9-1976 in the office of the S. R. Sholapur).

V. S. GAITONDE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri S. Abdul Rasheed, S/o S. Khader Mohideen Sahib, No. 284, Pakkumaligai Khader Hussain Street, Periapet, Vaniambadi, North Arcot District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(2) Shri S. Iqbal Razaak, S/o Sri S. Abdul Razaak, No. 59, Trunk Road, Khaderpet, Vaniambadi now at No. 284, Pakkumaligai Khader Hussain St. Periapet, Vaniambadi, North Arcot District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 30th November 1976

Ref. No. 19/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 284, situated at Pakkumaligai Khader Hussain Street, Periapet, Vaniambadi, N.A. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Vaniambadi (Doc. No. 745/76) on April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3434 Sq. Ft. with building at Door No. 284, Pakkumaligai Khader Hussain Street, Periapet, Vaniambadi, North Arcot Dt., T. S. No. 888, Ward-B, Block No. 15 (New T. S. No. 46) with a Well and electric fittings..

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th November 1976

Ref. No. 23/APRIL/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 76 & 77, situated at Periaravikkam village, Vaniambadi Tk. North Arcot District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Ambur (Doc. No. 565/76) on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. T. Ayisha Bivi W/o. N. Ahmed Batcha Sahib.
(2) N. Asathullah S/o. N. Ahmed Batcha Sahib.
(3) N. Khadullah S/o N. Ahmed Batcha Sahib &
(4) N. Sabira Ganam D/o. N. Ahmed Batcha Sahib.
No. 22, Nattamkar Ajimuddin Sahib Street, Ambur, N.A. District.

(Transferor)

- (2) Sri A. Rawoof Basha Saheb, S/o Abdul Gafoor Saheb, No. 1/23, A. Ahmed Hussain Sahib St., Jaffrebad, Vaniambadi Tk. N. A. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry lands measuring 3 Acres 79 cents at Survey Numbers 76 and 77 at Periaravikkam village, Vaniambadi Tk, North Arcot District with a Well and Pumpset.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 30-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 3rd December 1976

Ref. No. 31/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. 201/4B & 6B, situated at Koneripatti village, Salem Dt., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edapadi (Doc. No. 427/76) on April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. P. Kalianna Gounder S/o
Palani Gounder,
Kalingarayan Palayam Pudur,
Mettu Nasuvanpalayam village,
Erode taluk.

(Transferor)

(2) Shri Chinnanna Gounder S/o
Sengoda Gounder,
Pavurusampalayam Kattuvalavu,
Koneripatti, Village, Sankari taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.06 acres in R.S. Nos. 201/4B (1.16 acres) and 201/6B (0.90 acres) with one well in R.S. 201/4B at Koneripatti village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 3-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri J. H. Tarapore,
15/7, Harrington Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

(2) Shri C. L. Rajasekaran,
S/o. Late C. S. Loganatha Mudaliar,
4/1, Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Madras-6, the 3rd December 1976

Ref No. 66/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/1, situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2197/76) on 27-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—386GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 1440 sq. ft. with building thereon at door No. 4/1, (R.S. No. 154/22), Vasu Street, Madras-10.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 3-12-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri J. H. Tarapore,
15/7, Harrington Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. Bharadwaj, Sorakayapet, Tiruthani, and
M. Ravindran, No. 10-D, 8th Cross Street,
Shenoyanagar, Madras-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 7th December 1976

Ref. No. 5/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

15, situated at Harrington Road, Madras-31
(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras (Doc. No. 2096/76) on 21-4-1976
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immoveable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 72 sq. ft. in plot
No. 'N', door No. 15 (R.S. Nos. 324 & 329), Harrington
Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 7-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. E.S.M. Ayisha Beevi,
W/o Shri K. V. A. M. Sadak Thamby,
Hajiar, 232, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Masjid-E-Mamoor Committee,
No. 50, Angappa Naicken Street,
Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. 10/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMA-
NATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the
income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

215, situated at Angappa Naicken Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Madras (Doc. No. 2021/76) on 17-4-1976

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2050 sq. ft. at door No. 215 (R.S.
No. 4503/part), Angappa Naicken Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice, under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the
following persons, namely :—

Date : 8-12-1976
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th December 1976

Ref. No. 11/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 89, situated at Coral Merchant Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1856/76) on April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. Radhakrishna Chetty,
C/o M/s. Nama Sriramulu Chetty & Sons,
29, N.S.C. Bose Road, Madras-600001.
(Transferor)
- (2) 1. Shri A. Thangavelu Mudaliar,
No. 63, Chella Perumalpet,
Pondicherry-8.
2. Shri V. Manickam,
West Raja Street,
Nedungunam village,
Vandawashi talu, North Arcot Dt.,
3. Shri M. Kandasmy &
4. Smt. S. Kamala, W/o Shri V. Sivagnanam,
No. 89, Coral Merchant Street, Madras-1.
5. Shri N. Velayutham,
C. N. Palayam (via) Melpattampakkam,
South Arcot Dt.,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 820 sq. ft. with building thereon at door No. 89 (R.S. No. 2839), Coral Merchant Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1976

Ref. No. 75/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Sellampatti, Siddharevu village, Dindigul taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batlagundu (Doc. No. 1035/76) on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramachandra Naicker,
2. Shri Kanakaraj
3. Kum. Venkttammal,
4. Pappa,
5. Leelavathi
6. Rukmani,
7. Avadathai
minors by father & guardian
Shri Ramachandra Naicker,
Siddayankottai, Attur village,
Dindigul taluk.
8. Shri N. Nallaya Naicker,
9. Venkittammal,
10. Shri Vasudevar,
11. Ramasamy, &
12. Subbammal.
minors by father & guardian
Shri Nallaya Naicker.

(Transferor)

- (2) Smt. Sakuntala,
W/o Shri N. V. Ramasamy Naidu,
Narasimhapuram, Karur town,
Trichy district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 3/5th share in agricultural lands in the following villages :

Name of village	Survey No.	Extent
Siddarevu	1277/8	1.18 acres
Sevugampatti	5/1	2.34 "
	5/2	1.13 "
	5/6	1.50 "
	6/1	1.30 "
	6/2	1.40 "
	6/4	0.09 "
	5/3	1.34 "
Total		10.28 "
Less : Retained in own possession :		0.53 "
Balance		9.75 "

Out of this, undivided 3/5th share i.e., 5.85 acres with 3/5th undivided share in tiled house, well and pumpset situated in Survey No. 5/2 & 3 and 6/1.

G. RAMANATHAN
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6Date : 10-12-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 10th December 1976

Ref. No. 81/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Siddarevu Sevugampatti, village Dindigul, taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batlagundu (Doc. No. 1034/76) on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramachandran Naicker,
2. Shri Kanakaraj
3. Venkittammal,
4. Pappa,
5. Leelavathi
6. Rukmani,
7. Avadathai
8. Shri N. Nallaya Naicker,
9. Venkittammal,
10. Shri Vasudevar,
11. Ramasamy,
12. Subbammal.
- minors by father & guardian
Shri Ramachandra Naicker,
Siddavan Kottai, Attur village,
Dindigul taluk.

(Transferor)

- (2) Kum. Shanti,
D/o Shri V. Ramamurthy Naidu,
Society Street, Dindigul.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 2/5th share in agricultural lands in the following villages :

Name of village	Survey No.	Extent
Siddarevu	1277/8	1.18 Acres
Sevugampatti	5/1	2.34 "
	5/2	1.13 "
	5/3	1.34 "
	5/6	1.50 "
	6/1	1.30 "
	6/2	1.40 "
	6/4	0.09 "
Total		10.28 ,
Less : Retained in own possession		0.53 ,
Balance		9.75

Out of this, undivided 2/5th share i.e., 3.90 acres with 2/5th undivided share in tiled house, well and pumpset situated in Survey No. 5/2 & 3 and 6/1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date : 10-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 30th November 1976

NOTICE No. 167/76-77/ACQ.—whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 22 situated at Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga Under Document Number 87/76-77 on 19-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. S. Ashwathnarayan S/o Shamanna,
2. Shri R. S. Shankarnarayan, 9. Shri R. S. Shamprasad S/o Shankarnarayan,
4. Shri Dattatri S/o Shankarnarayan,
Partners in M/s Shree Vinayak Rice Mills,
B. H. Road, Shimoga.

(Transferor)

- (2) 1. Shri T. Puttaswamy Shetty S/o Timmiah, Shetty,
2. Shri T. P. Ashok Kumar S/o Puttaswamy Shetty,
3. Shri T. P. Satyanarayana Shetty S/o Puttaswamy Shetty,
Partners in M/s. Satyanarayan Industries,
B. H. Road, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-Agricultural lands measuring 3 Acres & 12 Gunthas, situated within the Municipal Limits of Shimoga, bearing Survey No. 22.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date : 30-11-1976
Seal

FORM ITNS

(1) Shri H. M. Shivakumar,
Prop. Maruti Floor Mill, Bhadravati,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 6th December 1976

NOTICE No. 168/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Davanagere, Document Number 427 on 13-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri S. Surendra,
2. Shri S. Ramesh,
3. Shri S. Satish,
4. Shri Mohan,
C/o Shri A. Sharanappa, Retd. Executive Engineer, 1Vth Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building on a site measuring 95' × 60' situated at Davanagere M.C.C. 'A' Block bearing Municipal Number R-13A/2038/15/2243.

P. SATYANARAYANA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Dharwar

Date : 6-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Brij Rani w/o Sri A. K. Bakshi, 2. Sri Brij Mohan s/o Sri Jai Kishan Dass through Sri Avtar Kishan Bakshi Attorney.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nav Chitra Housing Society Ltd., duly registered through Sri D. R. Dhingra and Sri R. S. Sethi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 10th November 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. Acq/241-A/Dehradun/76-77/2231.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Dehradun on 6-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—386GI/76

THE SCHEDULE

Immovable property Land measuring 3605 sq. yds. forming part of Khasra No. 115 M & Khasra No. 118 situated at Village Kanwali, transferred for an apparent consideration for 32,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-11-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1976

Ref. No. F. Acq./152-A/Muzaffarnagar/76-77/2232.—
Whereas, I, VIJAY BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 13-4-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. Hari Raj Swaroop 2. L. Gopal Raj Swaroop 3. L. Brahma Swaroop 4. Smt Vidyawati Swaroop 5. L. Madhav Kumar Swaroop 6. L. Arun Kumar Swaroop 7. Smt. Jyotsana Swaroop 8. L. Keshav Swaroop 9. L. Prabhat Kumar Swaroop 10. Smt. Vaidyawat Swaroop 11. L. Swaran Kumar Swaroop 12. L. Govind Swaroop r/o Muzaffarnagar.

(Transferors)

- (2) Nirmal Society Registered U.P. through Sister Reparate Secretary and Sister Doloriata President and Dr. Ashwani Kumar member of Muzaffarnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Municipal No. 228 to 230 situated at near own Hall Aryapuri Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 4,00,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Prakash s/o Naunipat Ram r/o Jodha Mal Road, Hardwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) 'Shanti Ashram' C/o Shi Bhupesh Bhattacharya (Satyanand Giri) s/o Late Sri Vijay Chand r/o 248 Kalighat road, Calcutta-26, Present address Vishnu Ghat Ram Lila ground Hardwar Parg, Jwalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 25th November 1976

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. F. No. Acq/223-Hardwar/76-77/2228.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 14-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property, measuring 1102 sq ft. situated at Jodhamal Road, Hardwar Pargana Jwalapur, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1976

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, DHARWAR
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th November 1976

Ref. F. No. Acq/243/-A/Dehradun/76-77/2227.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 17-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pran Nath through
Surendra Kumar Mehta r/o Moti Bagh,
New Delhi.

(Transferrors)

(2) M/s Sunil Engineering Works,
D-4, Industrial Estate through
Sri M. L. Ticku Partner.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 194/5 measuring 1488 sq. ft. situated Rajpur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration for Rs. 57,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Raj Kumar w/o Sri Ram Prakash,
r/o Hardwar Ram Lila Chowk Parg. Jwalapur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th November 1976

Ref. F. No. Acq/224-A/Hardwar/76-77/2229.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 14-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 'Shanti Ashram' through
Sri Bhupesh Bhattacharya (Satyanand Giri) s/o
Late Sri Vijay Chand,
r/o 248 Kalighat Road, Calcutta-26
Present address Vishnu Ghat, Ram Lila ground,
Hardwar Parg. Jwalapur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 1,102 sq. ft. situated at Jodha Mal Road, Hardwar Pargana Jwalapur, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Raj Kumari w/o Sri Ram Prakash,
r/o Hardwar Ram Lila Chowk Parg. Jwalapur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 'Shanti Ashram' through
Sri Bhupesh Bhattacharya (Satyanand Giri) s/o
Late Sri Vijay Chand,
r/o 248 Kalighat Road, Calcutta-26
Present address Vishnu Ghat, Ram Lila ground,
Hardwar Parg. Jwalapur.

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR**

Kanpur, the 25th November 1976

Ref. F. No. Acq//349/Hardwar/76-77/2230.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 22-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 1,102 sq. ft. situated at Ram Lila Chowk, Hardwar Pargana Jwalapur, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1976

Seal :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Prakash s/o Sri Naunpat
r/o Jodha Mal Road, Hardwar.

(Transferor)

(2) 'Shanti Ashram' C/o
Sri Bhupesh Bhattacharya (Satyanand Giri) s/o
Late Sri Vijay Chand,
r/o 248 Kalighat Road, Calcutta-26
Present address Vishnu Ghat, Ram Lila ground,
Hardwar Parg. Jwalapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 25th November 1976

Ref. F. No. Acq/350/Hardwar/76-77/2226.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar on 22-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 1,102 sq. ft. situated at Ram Lila Chowk Hardwar Pargana Jwalapur, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-11-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Shanti Verma w/o Sri Luxmi Narain
Verma r/o Civil Lines, Fatehpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

(2) 1. Smt. Harbans Kaur widow of
Sri Santokh Singh,
2. Sri Charanjeet Singh,
3. Sri Guru Dev Singh,
sons of Sardar Santokh Singh,
r/o Rail Bazar, Fatehpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 3rd December 1976

Ref. F. No. Acq/88/Fatehpur/76-77/2250.—Where-
as, I, VIJAY BHARGAVA,
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule
situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Fatehpur on 14-4-1976
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Civil Lines, Fatehpur,
transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-12-76

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Shanti Verma w/o
Sri Luxmi Narain Verma,
r/o Civil Lines, Fatehpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

- (2) 1. Shri Mahendra Singh,
2. Surjeet Singh
sons of Sardar Singh,
3. Sri Santokh Singh,
4. Smt. Har Charan
w/o Mahendra Singh,
r/o Rail Bazar, Fatehpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 3rd December 1976

Ref. F. No. Acq/89/Fatehpur/76-77/2248.—Whereas,
I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule
situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Fatehpur on 14-4-1976

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

15—386GI/76

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Civil Lines, Fatehpur,
transferred for an apparent consideration for Rs. 42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-12-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd December 1976

Ref. No. Acq./164/Rorhee/76-77/2247.—Whereas,
I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 23-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Manphool Singh Caste Guzar
s/o Chauhal Singh,
r/o village Makhdoompur Dasna Khas Parg
Manglore, Teh Roorkee, Distt. Saharanpur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Mahendra Singh,
2. Sri Sahendra Singh,
3. Sri Sumandar Singh,
sons of Sri Devi Singh,
all r/o Sherpur Khelmau Dasna Khas,
Parg. Manglore, Teh, Roorkee,
Distt. Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 256 measuring 6 bigha 14 bishwa situated at Village Makhdoompur Parg Manglore Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 26,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-12-76
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd December 1976

Ref. F. No. Acq/165/Roorkee/76-77/2244.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 29-3-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Niyamat Ali s/o Kala, Caste Jhojha,
r/o village Peerpur, P.O. and
Parg. Manglore, Teh. Roorkee,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mansoor Ali, 2. Sri Nishar Ahmed, 3. Sri Ilyas (mazor), 4. Sri Jabir Hassan (minor)
sons of Sri Shaukat Ali.
5. Sri Shaukat Ali s/o Sri Mohammad,
6. Sri Munfat, 7. Sri Munsub, sons of
Sri Rashid Ahmed,
all r/o Peerut
Parg. Manglore, Teh. Roorkee,
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 19 measuring total 8 bighas 13 bishwa 9 bishwansi, situated at Mauza Peepura Parg. Mangalore, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-12-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandra Pal s/o Sri Mahabir,
R/o 122/397 Shastri Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Shakti Sewa Dal through
Sri Gyan Chand Bhatia, r/o
120/397, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th December 1976

Ref. F. (No. Acq/73-A/Kanpur/76-77/2529.—Whereas,
I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. As per schedule situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto);
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 30-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fit-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property No. 122/397 (Plot) No. 2210 measur-
ing 311 sq. yds. situated at Shastri Nagar, Kanpur, transferred
for an apparent consideration for Rs. 18,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 7-12-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th December 1976

Ref. F. No. Acq/228-A/Ghaziabad/76-77/2527.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-7-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Satya Veer Singh,
2. Sri Satya Pal Singh,
sons of Choudhary Daryav Singh,
R/o Village Bagmabad Jalabad, Distt. Ghaziabad.
(Transferor)

(2) State Bank of India
Staff Co-operative Housing Society, U.P.
through Shri Dinesh Chandra Sharma
Modinagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 1292 measuring 15 biswa and 18 biswansi, situated in Village Begmabad, Budhana, Modi Nagar, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration for Rs. 48,170/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 7th December 1976

Ref. F. No. Acq/244-A/Meerut/76-77/2526.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at As per schedule
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Meerut on 3-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Sahai s/o
Sri Chajjoo Singh,
R/o Mohalla Kailashpuri, Meerut City.

(Transferor)

(2) 1. Shri Krishna Kumar, 2. Sri Ladli Pd. s/o Sri Bhagwan Sahai, 3. Sri Durga Pd. 4. Sri Anil Kumar Urf
3. Sri Durga Pd. 4. Sri Anil Kumar Urf Anil
Mohan,

all r/o Garh Durga Nagar, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Khasra No. 4305 measuring 500 sq. yds, situated at Kasba Meerut Kailashpuri Garh Road, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 47,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmal Kumar Ghosh,
r/o 1 Jhuma Pukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sachha Vedic Sansthan,
15 Patel Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE,
KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 7th December 1976

Ref. F. No. Acq/Tehrigarwal/76-77/2525.—Whereas,
I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 5-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Vacant piece of land measuring 16230
ft. situated at Mauza Tapoban Dist. Tehri Garhwal, trans-
ferred for an apparent consideration for Rs. 37,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nirmal Kumar Ghosh,
r/o 1 Jhuma Pukur Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sachha Vedic Sansthan,
15 Patel Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF
INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

KANPUR

Kanpur, the 7th December 1976

Ref. No. F. Acq/252/Tehrigarhwal/76-77/2528.—Whereas,
I, VIJAY BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 30-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One storied building measuring
14,520 sq. ft. situated at Mauza Tapoban Distt. Tehrigarhwal,
transferred for an apparent consideration for Rs. 48,000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-11-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Self. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 29th November 1976

Ref. No. 21-U/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 164 situated at Moh. Katai Kasba Amroha Distt Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amroha on 8-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—386GI/76

THE SCHEDULE

A house No. 164 situated at Moh. Katai Kasba Amroha Distt. Nainital.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 29-11-76

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vinod Kumari Virendra Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Shri Raj Kumar. (Person in occupation of the property)

Lucknow, the 29th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

Ref. No. 29-V/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Kashipur Moh. Khalsa, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 13-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house situated at Moh. Khalsa Kashipur, Distt. Nainital.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 29-11-76
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bisayshawar Raghunath Patwardhan Anant Raghunath Patwardhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anuradha Krishna Rao w/o Krishna Rao Nayak.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) No.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Lucknow, the 29th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 72-A/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. K 30/16 situated at Ghasi Tola, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 27-4-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house No. K 30/16 situated at Ghasi Tola, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-11-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Raghubar Datt Joshi alias Raghunath Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Singh Rautela.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Self. (Person in occupation of the property)

(4) No.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Lucknow, the 29th November 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 89-M/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mall Road, Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Almora on 8-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house situated at Mall Road, Almora.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-11-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shanker Lal Shah, Mukhtiarlam Smt. Daya Shah.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Gurdeep Kaur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Lucknow, the 30th November 1976

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 34-G/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
A plot of land situated at Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nainital on 19-5-76
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Melmill shop. Compound
Nainital.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-11-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dhyam Singh Dongra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Sing, Trilok Singh.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) Personal. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 30th November 1976

Ref. No. 110-R/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 12, 37 situated at Shivpuri Bholanath Bagh Teh, Haldwani Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 26-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 12, 37 situated at Shivpuri Bholanath Bagh, Teh. Haldwani Distt. Nainital.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-76.

Seal :

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. No. L.C. No. 89/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 4-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. P. Rao, Vasanth Vihar, Purvi Marg, New Delhi (by Sri Murali, Anand Vihar, Chandrabhag Avenue, Mylapore, Madras)

(Transferor)

(2) Sri Mohan, 'Rajitha', Thycad, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.37 cents of land with buildings in Sy. No. 917/1, 922B/3, 923/1, 2 of Changazhassery village in Trivandrum Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. L.C. No. 90/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chalai on 4-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Smt. G. Kamala Bai, Vasanth Vihar, Purvi Marg, New Delhi, by Sri R. Murali, Anand Vihar, Chandra-bhag Avenue, Mylapore, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Ramesh, 'Rajitha', Thycad, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.80 cents of land with buildings in Sy. Nos. 917/1, 922B/3, 923/1, 2 of Changazhassery village in Trivandrum Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri T. A. Raghunatha Rao, Vasanth Vihar 'Purvi Marg', New Delhi (by R. Murali, Anand Vihar, Chandrabhag Avenue, Mylapore, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chandrika Krishnaswamy, Rajitha, Thycad, Trivandrum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. L.C. No. 91/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 4-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—386GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.38 cents of land with buildings in Sy. No. 917/1, 922B/3, 923/1, 2 of Changazhassery village in Trivandrum Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sri R. Murali, Ananda Vihar, Chandrabhag Avenue, Mylapore, Madras.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Murugan, S/o Sri Ratna Swamy, Rajkot Bungalow, Trivandrum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. L.C. No. 92/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chalai on 4-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

17.10 cents of land with buildings in Sy. No. 917/1, 922B/3, 923/1, 2 of Chengazhaussy village in Trivandrum Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Sri N. Ramachandra Rao, Arunodaya, Basavangudi, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajeswari, D/o Ratnaswamy, Rajkot Bunglow, Thycad, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Cochin-682016, the 8th December 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. L.C. No. 93/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chalai on 4-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

13.40 cents of land with buildings in Sy. No. 917/1, 922B/3, 923/1, 2 of Changazhassery village in Trivandrum Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. L. Sakubai, (by Ramachandra Rao) Arundaya, Basavangudi, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Priya (minor) by Dr. Thiruvariam, Rajakat Bungalow, Thycad, Trivandrum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. L.C. No. 94/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingSy. No. as per schedule situated at Trivandrum Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Chalai on 4-4-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette of a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

12.30 cents of land with buildings in Sy. No. 917/1,
922B/3, 923/1, 2 in Chengazhassery village in Trivandrum
Taluk in Trivandrum District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri A. Padmanabha Naidu, Arunodayam, 36 Stephan's Road, Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) S. Balachandran, (ii) S. Vijayakumar, (iii) S. Hemalatha, (iv) Saroja Kalathilkunnu Amsom Desom Kozhikode.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-682016, the 9th December 1976

Ref. L.C. No. 95/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Wynad Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 9-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the due of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 acre 35.20 cents of land with buildings in Sy. No. 6.1.7, Kalathilkunnu Amsom desom in Kozhikode.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. K. Kurien, S/o Kurien, Thottumukkath, Eraviperoor, Thiruvalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

(2) Shri Hameed Hajee, S/o Shri Bappukutty Hajee, Muttekkattil, Vilathur Amsom, Thirubegappuram, Ottappalam.

(Transferee)

Cochin-682016, the 10th December 1976

Ref. L.C. No. 96/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Elamkulam Village Kaloor Survey No. 86 situated at Ahsoka Road, Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ernakulam on 21-4-1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storeyed building Nos. XLVII/678-1 & XLVII/678-2 standing on 14½ cents of land in Ashoka Road, Ernakulam vide schedule to Document No. 1393/76 dated 21-4-1976 of Sub Registry, Ernakulam.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jameeda, D/o Polakulathu Appu, Lokamalewaram village, Cranganore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Arakkaparambil Bava, (2) Nafeesa, (3) Imbichikutty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-682016, the 8th December 1976

Ref. L.C. No. 97/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. 365/4 etc situated at Vadakkumkara Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vadakkumkara on 1-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in 5 acres 17 cents of Coconut garden in Sy. No. 365/4 etc. of Vadakkumkara Village.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Indira, D/o Polakulath Appu, Lokamalaswaram Village, Kodungallur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arakkaparambil Bava, Nafeesa, w/o Bawa and Imbichikutty, w/o Ibrahim Vadakkumkara Village, Vellangallur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th December 1976

Ref. L.C. No. 98/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 365/4 Vadakkumkara Village situated at Vellangallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vadakkumkara on 13-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in 5 acres 17 cents of coconut garden in Sy. No. 369/2 of Vadakkumkara Village as mentioned in Document No. 702 of Sub Registry, Vadakkumkara.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 10-12-1976.

Seal

FORM ITNS—

- (1) K. M. Mammen, S/o Manjanakuzhiyil Mamman, Thrikkanarvattom, Ernakulam. (Malabar Timber Company, Power House Road, Ernakulam)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, M.G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 10th December 1976

Ref. L.C. No. 99/76-77.—Whereas, I, S. N. CHAN-
DRACHOODAN NAIR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Ernakulam Village Survey No. 63/1 situated at Power House
Extension Road, Ernakulam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ernakulam on 3-4-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely:—
18—386GI/76

- (2) E. P. Poulose and Mariamma Poulose, House No.
XLVI/481, Power House Extension Road, Erna-
kulam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. XLVI/481 standing on 11.140 cents of land
in Ernakulam Village Survey No. 63/1—vide Schedule to
document No. 1104/76 dated 3-4-1976.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 10-12-1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Tushar Bala Sen alias Tushar Sen 43/3, Hazra Road, Calcutta-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanjiranghat Raman Kutty Nair, 43/3, Hazra Road, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

*(3) M/s. Tata Calcutta Transport Co. 43/3, Hazra Road, Calcutta-19. (Person in occupation of the property)

Calcutta, the 8th December 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 364/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43/3, situated at Hazra Road, Calcutta

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sealdah on 10-9-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7 cottahs more or less together with a two-storied brick built dwelling house erected thereon at 43/3, Hazra Road, Calcutta as per deed No. 797 of 1976 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 8-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mohd. Doulat Khan S/o Nawab Nasib Yawarjung, aged 65 years Retd. Sub-Judge D. No. 15-7-630 at Begumbazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th December 1976

Ref. No. RAC. No. 199/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 162 & 163 situated at Diara, Zamisthanpur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7th April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sri Kaladhar Weaker Sections Co-operative Housing Society, Bakaram, Hyderabad. Represented by the President Sri Ch. Maniah, Door No. 1-7-773 at Bakaram, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Agricultural dry land in S. No. 163 situated at Zamisthanpur, Hyderabad in Ward No. 1 Block No. 6 within the Municipal limits of Hyderabad admeasuring 6880 Sq. Yards, sold under document No. 710/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad on 7-4-1976.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Madras-6, the 8th December 1976

Ref. No. RAC. No. 200/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-2-138/B situated at Thyagarajanagar, Thirupathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thirupathy on 1-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. S. Ramachandra Rao, Retd. Professor of Physics H. No. 6-2-138/B at Thyagarajanagar, Thirupathy, Chittoor-Dist.
(Transferor)

(2) Shri Paradarami Mahadeva Reddy, S/o P. R. Devarajulu Reddy, Mittoor-L/o Vennampalli-Post. Walajah Taluq. Vellore-North Arcot (Dist. Tamilnadu) Presently residing at H. No. 6-2-138/B Thyagarajanagar-Thirupathy. Chittoor. Dist.
(Transferee)

(4) Shri P. R. Devarajulu Reddy, H. No. 6-2-138/B, Thyagarajanagar Thirupathy Chittoor Dist.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and land admeasuring 754 Sq. Yards equivalent to 631 Mets. bearing door No. 6-2-138/B Thyagarajanagar-Thirupathy-Chittoor-Dist. sold under document No. 447/76 registered in the office of the Sub-Registrar Thirupathy, during fortnight ended 15-4-1976.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 10th December 1976

Ref. No. III-234/Acq/76-77/2766.—Whereas, I,
S. S. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. K. No. 147, H. No. 282 situated at Maripur, Muzaffar-
pur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Muzaffarpur on 18-3-76,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reasons to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Birendra Kumar Singh S/o Sri Krishna Kumar
Singh and Avai Kumar Singh (Minorson) of Mohalla
Maripur Jaitpur House P.O. Dt., Muzaffarpur.
(Transferor)

(2) Dr. Birendra Kishore Narayan Singh S/o Sri Raj
Kishore Sharma of Village Pakri, P.O. & Dist., Sita-
marhi.
Present Address—
S. K. Medical College, Muzaffarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 9 K. 11½ Dh. situated at Maripur, P.S. Sadar,
Muzaffarpur Khata No. 147, S.P. No. 225, 924 H. No. 282,
vide deed No. 4269 dated 18-3-1976.

S. S. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 10-12-76.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 25th December, 1976

No. F. 10/6/76-EI(B).—A competitive examination for recruitment to vacancies in the services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 28th June, 1977 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 25th December, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

- (i) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—100 (Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (ii) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—74 (Includes 11 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 5 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (iii) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—4 (includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes).

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—Candidates who qualify on the results of the examination will be asked to intimate the Services/posts for which they wish to be considered, in the order of preferences, so that having regard to the ranks in the order of merit due consideration can be given to preferences when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE 1. REQUEST FOR SUPPLY OF APPLICATION FORM AND FULL PARTICULARS OF THE EXAMINATION BY POST MUST REACH THE OFFICE OF THE COMMISSION BEFORE 14TH FEBRUARY, 1977, HOWEVER, THE FORMS MAY BE HAD PERSONALLY FROM THE COUNTER IN THE OFFICE OF THE COMMISSION UPTO 21ST FEBRUARY, 1977.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi 110011, on or before the 21st February, 1977. (7th March 1977 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st February, 1977) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "C" Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED, THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displayed person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,

Dy Secy.

Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 21st February, 1977.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are however, required to submit a 'No Objection Certificate' from Head of their Office/Department as early as possible and in any case within a fortnight from the closing date.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 6 of the Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable [See para 4(iii) below].
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable [See para 4(iv) and 5 below].

NOTE : CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (iii) AND (iv) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT.

CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATION, CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES AND IN SUPPORT OF AGE CONCESSION FEE REMISSION WHERE APPLICABLE, SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JANUARY, 1978. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) of para 3 above are given below.

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iii) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate: if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____
 -son/daughter* of _____
 of village/town* _____ in District/Division* _____
 of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

has amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/
or* his/her* family ordinarily reside(s) in village*/town_____
of _____ District*/Division of the
State*/Union Territory of _____.

Signature _____
**Designation _____

(with seal of office)

Place _____

Date _____

State*/Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

(iv) (i) LDCs/UDCs claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form :—

Certified that Shri/Smt./Km.
has been continuously in service on a regular basis in the
post of in the office of
..... with effect from

Signature
Designation
Date

(b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(d) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(e) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(f) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____
of Unit _____ was disabled while in
the Defence Services, in operations during hostilities with a
foreign country/in a disturbed area* and was released as a
result of such disability.

Signature
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(g) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xi) or 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(h) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested, certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

5. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 4(iv)(b), (c) and (e) above, seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

6. The original certificates of age and educational qualification which the candidates, who qualify on the results of the examination, will be required to submit, are as follows.

(i) *Certificate of Age*.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(ii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit a certificate showing that he has the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.*, University or other examining body) awarding the particular qualification. If such a certificate is not submitted, the Commission, in its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the

Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Khair Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATES IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS);

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

